संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 146
पृष्ठ 8
शनिवार
14 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बीपी कंट्रोल करने से लेकर आंखों... विचार- 'रिजर्व करंसी' का अपना दर्जा... खेल- टी20 विश्वकप 2026 का पहला...

विश्व रेडियो दिवस पर पीएम मोदी ने गांवों से शहरों तक रेडियो को बताया विश्वसनीय आवाज

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि रेडियो एक ऐसा माध्यम है जो दूरदराज के गांवों से लेकर शहरों तक, लोगों के लिए विश्वसनीय आवाज है तथा इसने समय पर जानकारी पहुंचाई है, प्रतिभा को निखारा है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर साल 13 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व रेडियो दिवस इस माध्यम से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों को पहचान प्रदान करने का एक अवसर है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, श्विश्व रेडियो दिवस एक ऐसे माध्यम का जश्न मनाने का अवसर है जो दूरदराज के गांवों से लेकर शहरों तक, लोगों के लिए

विश्वसनीय आवाज है। वर्षों से, रेडियो समय पर जानकारी प्रदान करता रहा है, प्रतिभा को निखारता रहा है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता रहा है।श प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश के माध्यम से उन्होंने स्वयं रेडियो की उस क्षमता का अनुभव किया है जिसके द्वारा देश के लोगों की सामाजिक शक्ति को उजागर किया जा सकता है। उन्होंने कहा, श्इस महीने का यह कार्यक्रम रविवार, 22 फरवरी को प्रसारित होगा। मोदी द्वारा प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के कुछ ही महीनों बाद अक्टूबर, 2024 में मन की बात रेडियो कार्यक्रम शुरू हुआ था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के लिए शासन, सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार और प्रेरणादायक कहानियां नागरिकों के साथ साझा करने का एक सीधा मंच रहा है। इसका प्रसारण हर महीने के आखिरी रविवार को सुबह 11 बजे होता है। चाहे स्वच्छता हो, सामाजिक सेवा हो, जल संरक्षण हो, खेल हो या महिला सशक्तीकरण, नागरिक अपने विचार और सुझाव प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम के लिए उन्हें ऑनलाइन भेज सकते हैं। यूनेस्को ने 2011 में घोषणा की कि 1946 में संयुक्त राष्ट्र रेडियो की स्थापना की स्मृति में 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी बोले

यूपी में भाजपा की नौ साल की यात्रा कर्फ्यू से कानून के राज की यात्रा है

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद नौ वर्ष की ये यात्रा अपराध और अव्यवस्था से अनुशासन की यात्रा है। कर्फ्यू से कानून के राज की यात्रा है। उपद्रव से उत्सव की यात्रा है। समस्या से समाधान की यात्रा है और अविश्वास से आत्मविश्वास की यात्रा है। इसको प्राप्त करने के लिए साफ नीयत थी। अब यूपी बीमारू राज्य नहीं है बल्कि देश की तीसरी अर्थव्यवस्था है। आज यूपी देश के विकास का इंजन बनकर लीड रहा है। आज यूपी के बारे में हर कोई अच्छा सोचता है। 2017 के पहले यूपी को लोग गलत निगाहों से देखते थे। आज यूपी की अर्थव्यवस्था

36 लाख करोड़ हो गई है। हमने टैक्स चोरी को रोका है। टैक्स चोरी रोकना भ्रष्टाचार पर सरकार का प्रहार है। बीते नौ साल में जनता पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है फिर भी हमने वित्तीय अनुशासन कायम रखा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सपा–कांग्रेस के लोग वंदे मातरम का विरोध करते हैं। वंदे मातरम का विरोध करने वालों को भारत की धरती पर रहने का कोई हक नहीं है। उन लोगों को वहीं जाना चाहिए जहां पर इसका विरोध होता है। तुष्टिकरण की नीति के कारण सपा के लोग अयोध्या और मथुरा के विकास का विरोध करते हैं। इनके शासन काल में कावड़ यात्रा को रोका जाता था।

मेरे भाषण से संसदीय कामकाज पर टिप्पणी और प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना हटायी गयी : मल्लिकार्जुन खरगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को सदन में कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा षबिना किसी औचित्य केष कार्यवाही से हटा दिया गया जिसमें उन्होंने संसदीय कामकाज पर टिप्पणियां और प्रधानमंत्री की चंद नीतियों की आलोचना की थी।

शून्यकाल की समाप्ति के बाद श्री खरगे ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में उन्होंने सामाजिक न्याय से लेकर संसदीय तथ्यों पर अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा, षराज्यसभा की वेबसाइट पर अपलोड किये गये भाषण की समीक्षा करने पर मैंने पाया कि मेरे भाषण का बड़ा हिस्सा बिना किसी औचित्य के हटा दिया गया है। ये वे हिस्से हैं जिनमें मैंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में संसदीय कामकाज पर तथ्यों के साथ टिप्पणियां की हैं और प्रधानमंत्री की चंद नीतियों की आलोचना की है, जो नेता प्रतिपक्ष होने के नाते मेरा दायित्व भी है क्योंकि मुझे लगता है कि वे नीतियां भारतीय जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। उन्होंने कहा कि पांच दशक से अधिक के संसदीय जीवन में वह हमेशा भाषा की मर्यादा के प्रति सजग और सचेत रहे हैं। कहां, किन बातों को निकाला जा सकता है इससे वह पूरी तरह वाकिफ हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि राज्यसभा के नियम एवं संचालन प्रक्रिया का नियम 261 केवल विशिष्ट और सीमित परिस्थितियों में ही लागू होता है। उन्होंने कहा कि जो टिप्पणियां हटायी गयी हैं उनमें कुछ भी असंसदीय या अपमानजनक नहीं है और न ही इसमें नियम 261 का कहीं उल्लंघन होता है। वे विषय से संबंधित थीं। श्री खरगे ने कहा, षमेरे भाषण का इतना बड़ा हिस्सा काटना और हटाना लोकतंत्र के खिलाफ है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ है। संविधान के अनुच्छेद 105 का भी उल्लंघन है।ष उन्होंने चेतावनी दी कि न्याय नहीं मिला तो वह षआम जनता के बीच अनरिकॉर्डेड वर्जनष साझा करने के लिए बाध्य होंगे।

सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि वह हटाये गये हिस्से को जनता के बीच साझा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, षआप वरिष्ठ सदस्य हैं, आप ऐसा कैसे कह सकते हैं? जो भी हिस्सा कार्यवाही से हटा दिया गया है, वह हटा दिया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नेता प्रतिपक्ष से सभापति के

निर्णय पर प्रश्न उठाने की आलोचना की। उन्होंने कहा, षनियम 261 कहता है कि यदि सभापति की राय में चर्चा के दौरान इस्तेमाल किया गया कोई शब्द या शब्द समूह अपमानजनक, असभ्यतापूर्ण, असंसदीय है तो सभापति अपने विवेक से उन्हें हटाने का आदेश दे सकते हैं। आपके निर्णय को चुनौती देना, और यह कहना कि आप प्रधानमंत्री को बचाने का प्रयास कर रहे हैं, यह नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता है। इसके विपक्षी सदस्यों ने नियम प्रक्रिया का मुद्दा उठाने की कोशिश की, लेकिन सभापति ने उन्हें अनुमति नहीं दी और प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू कर दी।

रक्षा सचिव बोले-

'मेक इन इंडिया' की ताकत

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी है। इसके बाद रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि यह पहली बार होगा जब राफेल विमान फ्रांस के बाहर भारत में बनाए जाएंगे। इस परियोजना में 40 से 50 प्रतिशत हिस्सेदारी 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत स्थानीय उत्पादन की होगी। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में राजेश कुमार सिंह ने कहा कि यह प्रोग्राम सरकार से सरकार के समझौते के तहत लागू किया जा रहा है, इसमें कोई बिचौलिया नहीं होगा और पूरी पारदर्शिता रखी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारतीय हथियार और सिस्टम इन विमानों में जोड़े जा सकेंगे।

सिंह ने कहा कि पहली बार राफेल विमान फ्रांस के बाहर इतने बड़े पैमाने पर भारत में बनाए जाएंगे। हम कम से कम 40–50 प्रतिशत लोकलाइजेशन का लक्ष्य रख रहे हैं। इसमें श्मेक इन इंडियाश, सरकार से सरकार का समझौता, कोई बिचौलिया नहीं, पूरी पारदर्शिता और भारतीय हथियार व सिस्टम को विमान में जोड़ने की पूरी स्वतंत्रता शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि इससे लड़ाकू विमान जल्दी भारत में आ सकेंगे। राफेल मरीन विमानों की डिलीवरी 2028 से शुरू होगी और इसके बाद करीब तीन साल और छह महीने में एयर फोर्स के राफेल भी आना शुरू होंगे। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डीएसी की बैठक में लगभग 3.60 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न रक्षा खरीद प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति मिली। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने कई नई खरीद को मंजूरी दी है।

पूर्व पीएम नेहरू ने सुप्रीम कोर्ट जज से मांगी थी माफी

जयराम रमेश बोले- ऐसे थे असाधारण संस्थान निर्माता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जमकर तारीफ की। उन्होंने नेहरू को असाधारण संस्थान निर्माता बताया। रमेश ने याद दिलाया कि कैसे साल 1959 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने सुप्रीम कोर्ट के जज विवियन बोस को एक माफीनामा लिखा था। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर इस पत्र को साझा किया। उन्होंने लिखा कि आजकल सरकार और न्यायपालिका के बीच के रिश्तों पर बहुत बातें होती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नेहरू का 26 जून 1959 को जस्टिस विवियन बोस को लिखा गया यह पत्र बहुत महत्वपूर्ण है। रमेश के अनुसार, यह पत्र दिखाता है कि नेहरू संस्थाओं का कितना सम्मान करते थे। जस्टिस बोस को लिखे अपने पत्र में पीएम नेहरू ने अपनी गलती स्वीकार की थी। उन्होंने लिखा था कि वे पिछले कई दिनों से लगातार यात्रा कर रहे हैं। उनका इरादा था कि वे प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई कुछ बातों के बारे में पहले ही पत्र लिखें, लेकिन व्यस्तता के कारण वे ऐसा नहीं कर सके। नेहरू ने कहा था, षकुछ दिन पहले जब मैं त्रिवेंद्रम में था, तो मुझे कलकत्ता बार लाइब्रेरी क्लब के ऑनरेरी सचिव का एक लेटर मिला, जिसके साथ उन्होंने कलकत्ता बार की एक मीटिंग में पास किया गया एक प्रस्ताव भेजा था, जिसमें मैंने आपके बारे में जो कुछ कहा था, जिसे गलत बताया गया था। जैसे ही मुझे यह लेटर मिला, मैंने कलकत्ता बार लाइब्रेरी क्लब के सेक्रेटरी को जवाब भेज दिया। इसके बाद नेहरू ने जस्टिस बोस से निजी तौर पर माफी मांगी। उन्होंने लिखा कि दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जो बातें कही थीं, उन पर उन्हें बहुत दुख है। नेहरू ने साफ शब्दों में स्वीकार किया कि उनकी वे बातें गलत थीं और उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था।

मणिपुर हिंसा मामले में कोर्ट ने सीबीआई से मांगी स्थिति रिपोर्ट

इंफाल,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मणिपुर में 2023 में हुई जातीय हिंसा के मामलों पर सुनवाई की। कोर्ट ने सीबीआई को आदेश दिया कि वह जातीय हिंसा से जुटी 11 एफआईआर की जांच पर दो हफ्ते के अंदर स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एक महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बजाय मणिपुर हाई कोर्ट या गुवाहाटी हाई कोर्ट को इन मामलों के ट्रायल और जांच की निगरानी करनी चाहिए। बेंच के अनुसार, मणिपुर हाई कोर्ट में अब नए चीफ जस्टिस आ चुके हैं, इसलिए वे स्थानीय हालात को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। कोर्ट ने केंद्र और मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि वे जस्टिस गीता मित्तल कमेटी की सिफारिशों को हर हाल में लागू करें। यह कमेटी पीड़ितों के पुनर्वास और उनके कल्याण के लिए बनाई गई थी।

इस कमेटी में तीन पूर्व

महिला जज शामिल हैं, जो अब तक पीड़ितों की मदद के लिए कई रिपोर्ट सौंप चुकी हैं।

मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। हजारों लोग बेघर हुए हैं और कई घायल हुए हैं। यह हिंसा तब भड़की थी जब मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। सुनवाई के दौरान पीड़ित की तरफ से पेश हुई वकील वृंदा ग्रोवर ने एक पीड़ित महिला का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि गैंगरेप की शिकार एक कुकी महिला की पिछले महीने सदमे और बीमारी से मौत हो गई। वकील ने आरोप लगाया कि सीबीआई ने चार्जशीट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और मुख्य आरोपी भी कोर्ट में पेश नहीं हो रहा है। उन्होंने जांच में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।

बांध सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोले सिद्धारमैया

पानी राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानता

बंगलूरू (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बंगलूरू में बांध सुरक्षा पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि श्पानी राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानता, इसलिए सुरक्षा मानकों को भी राजनीति से ऊपर रखना चाहिए।श यह दो दिवसीय सम्मेलन भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारत में कुल 6,628 बड़े बांध हैं, जिससे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बांध मालिक देश है। कर्नाटक में 231 बड़े बांध हैं और यह देश में छठे स्थान पर है। करीब 70: बांध 25 साल से ज्यादा पुराने हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि पुराने बांधों की सुरक्षा जांच, आधुनिकीकरण और जोखिम के अनुसार संचालन बहुत जरूरी हो गया है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि आज हम जलवायु परिवर्तनके कारण भारी बारिश और सूखे जैसी चरम परिस्थितियों का सामना कर रहे

हैं। भूकंप का खतरा, जलाशयों में गाद भरना और पुराने ढांचे की कमजोरी– ये सब मिलकर बड़ा जोखिम पैदा कर रहे हैं। अब बांध सुरक्षा सिर्फ तकनीकी मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल सिस्टम से चलने वाले बांधों को साइबर हमलों और तकनीकी तोड़फोड़ से भी बचाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा। नियमित निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट सिर्फ कागजी प्रक्रिया न रहें, बल्कि गंभीरता से लागू हों। आधुनिक तकनीक जैसे रिमोट सेंसिंग और रियल–टाइम मॉनिटरिंग का उपयोग बढ़ाया जाए। स्थानीय लोगों को भी जागरूक और तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जब नीति, विज्ञान, इंजीनियरिंग, वित्त और जनता की भागीदारी एक साथ आएगी, तभी बांध सुरक्षित रहेंगे।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी सम्मेलन में संबोधित किया। उन्होंने बताया 2012 में शुरू हुआ डैम रिहैबिलिटेशन एंड इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम (डीआरआईपी) एक अच्छा उदाहरण है, जिसे भारत सरकार ने विश्व बैंक की मदद से शुरू किया था।

सलोरी–हेतापट्टी पुल के निर्माण को लेकर मार्च में खुलेगा टेंडर

प्रयागराज। गंगा नदी पर बनने वाले सलोरी–हेतापट्टी पुल के टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सेतु निगम की तरफ से मार्च में टेंडर को खोलने की संभावना है। उम्मीद है कि मई से पुल का निर्माण शुरू हो गया है। गंगा नदी पर बनने वाले सलोरी–हेतापट्टी पुल के टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सेतु निगम की तरफ से मार्च में टेंडर को खोलने की संभावना है। उम्मीद है कि मई से पुल का निर्माण शुरू हो गया है। सेतु निगम के परियोजना

प्रबंधक रोहित मिश्रा ने बताया कि 20 जनवरी को सलोरी–हेतापट्टी की पहली किस्त 300 करोड़ रुपये शासन ने जारी कर दी है।

3.6 किमी लंबे चार लेन पुल का निर्माण सेगमेंटल बॉक्स गार्डर के आधार पर होगा। पुल बनने से झूंसी, जौनपुर, मछलीशहर और गोरखपुर सहित पूर्वांचल से आने वाले लोगों को जाम की समस्या से निजात मिल जाएगी। वहीं, थरवई, बहरिया, सिकंदरा, फैजुल्लापुर, सहसों, रामनगर, गारापुर, सराय चंडी सहित जौनपुर की ओर से आने वाले वाहनों को शास्त्री पुल आने की जरूरत नहीं होगी। हेतापट्टी को लखनऊ के गोमती नगर की तर्ज पर विकसित करने की योजना है।

अन्नपूर्णा भवन बनने में बाधक बन रहा दबंग

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के देवकली गांव में ग्राम पंचायत द्वारा बनाए जा रहे अन्नपूर्णा भवन में एक दबंग बाधक बन रहा है। ग्राम प्रधान द्वारा दबंग की शिकायत जिलाधिकारी से की गई है। थाना क्षेत्र के देवकली गांव के मजरा सराय चाचक में ग्राम पंचायत द्वारा बंजर जमीन पर सरकारी राशन वितरण के लिए अन्नपूर्णा भवन बनाया जा रहा है। डीएम मनीष वर्मा ने एसडीएम फूलपुर एवं एसीपी थरवई को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

प्रयागराज। शांतिपुरम के एक निजी अस्पताल के डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त से शिकायत की गई है। सोराव थाना क्षेत्र के खिदिरपुर गांव के विलास तिवारी ने अपनी मां ज्ञान देवी के पैर में कांच लग जाने का इलाज करने के लिए एक निजी चिकित्सालय मे भर्ती कराया था। आरोप है कि डॉक्टर ने 10–10 हजार रुपये का तीन इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन के प्रभाव से ज्ञान देवी अनाप–शनाप हरकत करने लगीं। इस पर डॉक्टर ने कहा कि उनकी किडनी खराब हो गई है। इन्हें दूसरे अस्पताल में ले जाइए। मजबूर होकर उसने अपनी मां को जरूर स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सोमवार को उनकी मां की मौत हो गई।

युवाओं से धर्म के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान

प्रयागराज। गांव पिपरांव में बृहस्पतिवार को विश्व हिंदू महासभा सनातन रक्षा वाहिनी की ओर से सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष एवं गंगा समग्र राष्ट्रीय प्रमुख स्वामी हरि नारायण दास महाराज और सनातन परिषद रक्षा वाहिनी धर्माचार्य प्रमुख परम धर्म अद्वैतांता द्वैत घन महाराज, चित्रकूट धाम शामिल हुए।

सम्मेलन में सनातन धर्म, गंगा संरक्षण और सामाजिक एकता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा के लिए संगठित प्रयास आवश्यक हैं। युवाओं से धर्म और राष्ट्रहित में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में शिवानंद तिवारी, राजेश कुमार शर्मा, रोहित कुमार, शिवम अद्वैत, रामबली शर्मा, कमलेश प्रसाद, शिवकुमार शर्मा, अखिलेश कुमार शर्मा आदि रहे। वहीं रामबली शर्मा के आवास पर हिंदू सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

फंदे पर लटकता मिला आईटीआई का छात्र

प्रयागराज। भीरपुर रिपोर्टिंग पुलिस चौकी क्षेत्र के नीबी गांव में आईटीआई के छात्र ने फंदे पर लटक कर जान दे दिया। नीबी गांव निवासी अखिलेश तिवारी का 20 वर्षीय बेटा हर्षित आईटीआई का छात्र था। बृहस्पतिवार को सुबह घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया। सूचना होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भीरपुर चौकी इंचार्ज एसएन सिंह ने बताया कि परिजनों ने मौत का कोई कारण स्पष्ट नहीं किया है।

विभाग की देरी से कर्मी को उसके कानूनी अधिकारों से वंचित नहीं कर सकते

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विभागीय देरी के चलते किसी कर्मचारी को उसके कानूनी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विभागीय देरी के चलते किसी कर्मचारी को उसके कानूनी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यदि कोई नियमानुसार नियमितीकरण का पात्र है तो विभाग की ओर से प्रक्रिया में की गई देरी उसकी वरिष्ठता और पेंशन जैसे मौलिक लाभों को प्रभावित नहीं कर सकते। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी.चौहान की एकल पीठ ने राम सक्सेना की याचिका पर दिया है। याची नगर निगम प्रयागराज में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी वास्तविक पात्रता 10 अप्रैल 2003 के बजाय 2015 में नियमित की गई थी। याची ने इसके विरुद्ध याचिका दायर की। याची के अधिवक्ता राम कुमार सिन्हा ने दलील दी कि उप्र पालिका (केंद्रीयित) सेवा (21 संशोधन) नियमावली, 2003 के नियम 21–क(1) के अंतर्गत नियमितीकरण के लिए याची 10 अप्रैल 2003 को पात्र था। विभागीय प्रक्रिया में देरी से उसे तीन नवंबर 2015 में नियमित किया गया। इस देरी के लिए विभाग जिम्मेदार याची नहीं। याची को 10 अप्रैल 2003 को नियमित मानते हुए पुरानी पेंशन आदि का लाभ दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि याची को पूर्वगामी तिथि 10 अप्रैल 2003 से ही नियमित मानने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने 'चंद्र मोहन यादव' केस डबल बेंच में पारित आदेश का हवाला देते हुए याची की वरिष्ठता सूची को नए सिरे से तैयार करने और वित्तीय लाभों को छोड़कर अन्य सभी सेवा लाभ प्रदान करने का आदेश दिया गया है।

महाशिवरात्रि पर्व पर बैरहना समेत अन्य रूटों पर जाने से बचें, तैयारियों में जुटा प्रशासन

प्रयागराज। महाशिवरात्रि पर्व पर स्नानार्थियों की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए रूट पुलिस सक्रिय हो गई है। मेला पुलिस ने आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन और पार्किंग व्यवस्था निर्धारित कर दी है।

महाशिवरात्रि पर्व पर स्नानार्थियों की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए रूट पुलिस सक्रिय हो गई है। मेला पुलिस ने आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन और पार्किंग व्यवस्था निर्धारित कर दी है। वहीं मेला क्षेत्र के मंदिर व शिवालय की ओर आने वाहनों के लिए रूट डायवर्ट किया है। साथ ही बैरहना की तरफ से आने वाले वाहनों को सेमेट्री रोड स्थित रामजानकी मंदिर से दाहिने त्रिवेणी मार्ग (थाना–कीडगंज) के सामने से सतीशाह चौराहा, कोठापार्चा, लाउडर रोड से बाएं गऊघाट से पुराना पुल होकर जा सकेंगे। वहीं गऊघाट, यमुना बैंक रोड यू सर्किल की तरफ से कोई वाहन यमुना बैंक रोड मनकामेश्वर मंदिर की तरफ नही जा सकेंगे।

इन जगहों पर रहेगी पार्किंग

हेलीपैड पार्किंग व किसान यूनियन पार्किंगरू काली मार्ग से आने वाले श्रद्धालु अपने हल्के वाहनों को काली सड़क पर बने पार्किंग स्थल हेलीपैड पार्किंग व किसान यूनियन पार्किंग में जाएंगे। इसके बाद पैदल काली मार्ग से संगम मार्ग से संगम स्नान घाट, हनुमान घाट व रामघाट पर स्नान के लिए जाएंगे।

गल्ला मंडी पार्किंगः श्रद्धालुगण अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली–02 मार्ग से मोरी रैम्प, किलाघाट मार्ग पहुँचकर काली उत्तरी घाट, मोरी घाट, शिवाला घाट व दशश्वामेध घाट जा सकेंगे। इसके उपरांत श्रद्धालुगण गंगामूर्ति चौराहा से ओल्ड जी०टी० रोड थाना दारागंज के सामने से अथवा रिवरफ्रण्ट मार्ग द्वारा सम्बन्धित पार्किंग में पहुंचकर अपने वाहनों से गंतव्य को वापस जा सकेंगे।

प्लाट नंबर–17 पार्किंगः श्रद्धालुगण अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली मार्ग से अपर संगम मार्ग, संगम स्नान घाट, हनुमान घाट व रामघाट पर जा सकेंगे। स्नान के बाद श्रद्धालु अक्षयवट मार्ग खड़जा वापसी मार्ग होकर त्रिवेणी वापसी मार्ग से अपने पार्किंग में जाएंगे।

नागवासुकी पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल रिवर फ्रंट मार्ग या अन्य रास्ते से नागवासुकी स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद रिवर फ्रंट मार्ग से पार्किंग में पहुंचकर अपने वाहनों से गंतव्य को वापस जा सकेंगे।

टीकरमाफी महुआबाग पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल महुआबाग पार्किंग से जीटी रोड, टीकरमाफी से त्रिवेणी मार्ग ऐरावत स्नानघाट पर जा सकेंगे। स्नान करने के बाद श्रद्धालु पैदल महावीर मार्ग से समुद्र कूप रोड से अपने वाहनों से गंतव्य को वापस जा सकेंगे।

महावीर मार्ग स्थित सतुआ बाबा आश्रम पार्किंगः श्रद्धालु अपने हल्केवाहन/बाइक को जीटी रोड, टीकरमाफी से त्रिवेणी मार्ग द्वारा संगम लोवर मार्ग से बाएं मुड़कर संगम लोवर–जगदीश मार्ग, सतुआ बाबा आश्रम पार्किंग स्थल जा सकेंगे। स्नान करने के बाद पैदल महावीर मार्ग होते हुए सतुआ बाबा स्थित पार्किंग जाएंगे।

देवरख कछार पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल सोमेश्वर महादेव रैंप मार्ग से महादेव स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद श्रद्धालु उसी मार्ग से देवरख कछार पार्किंग या संबंधित पार्किंग में पहुंचकर वाहनों से गंतव्य को वापस जा सकेंगे।

नवप्रयागम पार्किंगरू श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नवप्रयागम अप्रोच मार्ग से अरैल बांध रोड, अरैल घाट, चक्रमाधव घाट व अन्य स्नान घाटों पर जा सकेंगे। इसके बाद संकट मोचन मार्ग, नवप्रयागम अप्रोच मार्ग से नवप्रयागम पार्किंग से जा सकेंगे।

परम पूज्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती आश्रम के पास स्थित पार्किंगरू श्रद्धालु ओल्ड जीटी मार्ग से संगम लोवर मार्ग, टीकरमाफी त्रिवेणी मार्ग में वाहनों को पार्क कर पैदल ऐरावत स्नानघाट पांटून पुल नंबर दो महावीर घाट व रामघाट आदि पर स्नान कर सकेंगे।

मंदिरों में जाने के लिए रूट

मनकामेश्वर मंदिररू मनकामेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु अपने बाइक व हल्के वाहन एडीसी मैदान पार्किंग स्थल व दधिकांदो पार्किंग स्थल में पार्क कर पैदल सिमेट्री मार्ग, यमुना बैंक रोड तिराहा से बाएं मुडकर जलाभिषेक के लिए जा सकेगें। इनकी वापसी भी इसी मार्ग से होगी।

नागवासुकी मंदिररू श्रद्धालु अपने वाहनों को नागवासुकि कछार भूमि पार्किंग स्थल में पार्क कर जलाभिषेक के लिए जा सकेगें। इनकी वापसी भी इसी मार्ग से होगी।

सोमेश्वर महादेव मंदिररू श्रद्धालु अपने वाहनों को देवरख कछार भूमि पार्किंग स्थल में पार्क कर जलाभिषेक के लिए जा सकेगें। इनकी वापसी भी इसी मार्ग से होगी।

शंकर विमान मंडपमरू श्रद्धालु पैदल जगदीश मार्ग बाध मार्ग जलाभिषेक के लिए जा सकेगें। इनकी वापसी बाध मार्ग, त्रिवेणी मार्ग से होगी।

17 दिन में 60 मकान हुए सील, वसूले गए 92 करोड़

प्रयागराज। पिछले तीन साल से गृहकर न जमा करने वाले बकायेदारों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई निरंतर चल रही है। इसी कड़ी में 17 दिनों के भीतर 60 मकानों को नगर निगम की तरफ से गृहकर जमा न करने की वजह से सील कर दिया गया। पिछले तीन साल से गृहकर न जमा करने वाले बकायेदारों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई निरंतर चल रही है। इसी कड़ी में 17 दिनों के भीतर 60 मकानों को नगर निगम की तरफ से गृहकर जमा न करने की वजह से सील कर दिया गया। इन सभी भवन स्वामियों को नगर निगम की तरफ से पहले ही नोटिस भेजा जा चुका है। जनवरी के अंतिम सप्ताह से शुरू हुए अभियान में अब तक करीब सवा दो लाख भवन स्वामियों से 92 करोड़ रुपये वसूले जा चुके हैं। वहीं, यह अभियान नगर निगम की तरफ से 31 मार्च तक चलाया जाएगा।

वैसे अगर देखा जाए तो इस साल बड़े बकायदारों की गिनती रुपये से नहीं बल्कि तीन वर्ष से लंबित गृहकर को लेकर की गई है। जिसके चलते 59 हजार भवन स्वामियों को नगर निगम की तरफ से नोटिस भेजा गया है। इन भवन स्वामियों पर करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। नगर निगम के पुराने 80 वार्डों में 2. 36 लाख भवन संपत्तियां हैं। इसके अलावा इस वर्ष विस्तारित क्षेत्र के करीब 30 भवन स्वामियों को भी नगर निगम की तरफ से नोटिस भेजा जा चुका है।

दारागंज में नगर निगम टीम का हुआ घेराव

दारागंज क्षेत्र में कुर्की करने पहुंची, नगर निगम जोन चार की टीम को स्थानीय लोगों ने घेर लिया। इस दौरान एक भवन स्वामी जमीन पर बैठ गया। वहीं, टीम के पास अतिरिक्त सुरक्षा न होने की वजह से कुर्की की प्रक्रिया को रोक दिया गया। हालांकि, टैक्स सुपरिंटेंडेंट सुधा दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार को उक्त स्थान पर कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान दारागंज में कुल दो मकानों को सील करने के साथ छह लाख रुपये गृहकर की वसूली की गई।

नगर निगम की तरफ से गृहकर वसूली का अभियान सभी जोन में चल रहा है। ऐसे में अगर लोग आधे रुपये जमा करके कुछ दिन की मोहलत मांगते हैं तो कुर्की की कार्रवाई को कुछ दिनों के लिए रोक दिया जाएगा। – पीके मिश्रा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, नगर निगम।

सप्ताह में दो दिन चलेगी प्रयागराज–निजामुद्दीन स्पेशल, रेलवे ने जारी की समय सारिणी

प्रयागराज। रेलवे प्रशासन ने दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की समय सारिणी जारी की है। प्रयागराज जंक्शन से इसका संचालन 18 फरवरी से आठ मार्च तक हर बुधवार व रविवार और निजामुद्दीन से 19 फरवरी से नौ मार्च तक हर बृहस्पतिवार व सोमवार को चलेगी।

रेलवे प्रशासन ने दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की समय सारिणी जारी की है। प्रयागराज जंक्शन से इसका संचालन 18 फरवरी से आठ मार्च तक हर बुधवार व रविवार और निजामुद्दीन से 19 फरवरी से नौ मार्च तक हर बृहस्पतिवार व सोमवार को चलेगी। प्रयागराज से गाड़ी (04123) की रवानगी दोपहर 2.50 बजे होगी। ट्रेन शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बांदा, महोबा, कुल पहाड़,

हरपालपुर, मऊरानीपुर, झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, कोसीकलां रुकते हुए अगली सुबह 11रू35 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में निजामुद्दीन से (04124) की रवानगी दोपहर 3रू45 बजे होगी जो अगली सुबह 9रू10 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 21 कोच की ट्रेन में स्लीपर के आठ, सामान्य श्रेणी के नौ, एसएलआर श्रेणी के दो एवं एसी थ्री एवं एसी टू का एक–एक कोच रहेगा।

पिता की समाधि पर पेशाब करने से रोका तो मुंह में सरिया घुसेड़कर कर दी हत्या, सिपाही समेत 11 नामजद

नैनी (प्रयागराज)। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत मड़ौका में पिता की समाधि पर पेशाब करने से मना करने पर एक ठेकेदार की मुंह में सरिया घुसेड़ कर हत्या कर दी गई। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस मऊ में तैनात एक सिपाही समेत 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत मड़ौका में पिता की समाधि पर पेशाब करने से मना करने पर एक ठेकेदार की मुंह में सरिया घुसेड़ कर हत्या कर दी गई। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस मऊ में तैनात एक सिपाही समेत 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। तनाव को देखते हुए मृतक व आरोपियों के घर पर पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। देर रात तक दबिश डालकर कर पुलिस ने आठ लोगों को हिरासत में लिया है।

नैनी थाना क्षेत्र के मड़ौका में स्थित एक गेस्ट हाउस में कनौजिया परिवार के बेटी की शादी थी। बरात में आए कुछ लोग गेस्ट हाउस के समीप स्थित एक समाधि स्थल पर पेशाब कर रहे थे। वहां से गुजर रहे राजेश कुमार निषाद (45) पुत्र स्व. राम सुमेर ने उन लोगों को समाधि से दूर पेशाब करने के लिए कहा। जिस पर दूसरे पक्ष के लोग हमलावर हो गए और उसे पीट पीट कर मार डाला। कहीं वह जिंदा न हो इसके लिए आरोपियों ने राजेश के मुंह में सरिया घुसेड़ दिया।

वारदात को अंजाम देने के बाद राजेश के शव को खाली प्लाट पर छुपा दिया गया। आरोपियों ने मृतक के भाई को फोन करके बताया कि अपने भाई को समझा लो नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा। घटना की जानकारी होने पर मृतक के परिजन जब मौके पर पहुंचे तो राजेश का शव प्लाट पर पड़ा देख सन्न रह गए।

भाई शेखर निषाद की तहरीर पर 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बताते हैं कि भोर में पुलिस ने आरोपी सिपाही को जौनपुर से हिरासत में ले लिया है। इसके अलावा सात और लोगों को पकड़ा है। घटना से आक्रोशित परिजनों ने गेस्ट हाउस में भी जमकर तोड़फोड़ की। राजेश तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसके दो बेटे का एक बेटियां है। वह मकान में पेंटिंग के काम का ठेका लिया करता था। मृतक के भाई शेखर निषाद का आरोप है कि घटना के समय गेस्ट हाउस के पास 112 नंबर पुलिस मौजूद थी। इस दौरान बीच बचाव में आरोपी सिपाही के भाई को भी चोट आई थी। वहां मौजूद 112 नंबर पुलिस सिपाही के भाई को अस्पताल लेकर चली गई, जबकि गंभीर रूप से घायल उसके भाई को वहीं छोड़ दिया गया।

महाशिवरात्रिः अंतिम स्नान पर्व की तैयारी में जुटा मेला प्रशासन, 15 लाख से अधिक श्रद्धालु कर सकते हैं स्नान

प्रयागराज। माघ मेले के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि की तैयारी में मेला प्रशासन जुटा है। मेला क्षेत्र ही नहीं, शिवालयों में भी सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

माघ मेले के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि की तैयारी में मेला प्रशासन जुटा है। मेला क्षेत्र ही नहीं, शिवालयों में भी सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। मेला प्रशासन का दावा है कि अब तक 22 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पुण्य की डुबकी चुके हैं। महाशिवरात्रि पर 15 लाख श्रद्धालु स्नान कर सकते हैं।

मेला प्रशासन ने सभी घाटों पर पुआल डालने और साफ–सफाई

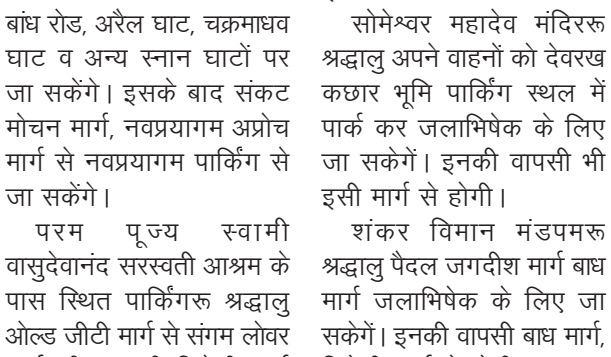

का काम शुरू करा दिया है। चेंजिंग रूम दुरुस्त कराए जा रहे हैं। पक्के घाटों की सफाई कराई जा रही है। एसपी मेला नीरज पांडेय के मुताबिक, मनकामेश्वर, दशाश्वमेध, गंगोली शिवाला और नागवासुकि सहित अन्य शिव मंदिरों और मेला क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एटीएस, एनडीआरएफ सहित सुरक्षा के सभी इंतजाम पहले की तरह होंगे। रूट डाइवर्जन भी किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन और निगरानी का काम आईट्रिपलसी के कंट्रोल कमांड सेंटर से होगा।

मेला क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, इसके लिए सभी तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। अनुमान है कि स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 15 लाख के पार पहुंच सकती है। – ऋषिराज, मेलाधिकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी– प्रेमी जोड़े को सुरक्षा देना उपकार नहीं, कानूनी बाध्यता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि प्रेमी जोड़े को सुरक्षा देना पुलिस की मर्जी या उपकार नहीं, कानूनी बाध्यता है। ऑनर किलिंग की संभावना हो तो उन्हें सुरक्षित आवास (सेफ हाउस) में रखना भी पुलिस का दायित्व है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि प्रेमी जोड़े को सुरक्षा देना पुलिस की मर्जी या उपकार नहीं, कानूनी बाध्यता है। ऑनर किलिंग की संभावना हो तो उन्हें सुरक्षित आवास (सेफ हाउस) में रखना भी पुलिस का दायित्व है। जोड़े की सुरक्षा में टालमटोल करना पुलिस अधिकरियों को भारी पड़ सकता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की एकल पीठ ने हापुड़ के प्रेमी जोड़े की ओर से तत्काल सुरक्षा मुहैया करने की मांग वाली याचिका पर की। याचिका के मुताबिक 20 वर्षीय युवती ने अपनी मर्जी से 33 साल के युवक से निकाह किया था। युवती के पिता इसके खिलाफ थे। उन्हें शक था कि युवक पहले से शादीशुदा है। हालांकि, स्थायी अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि यह दोनों की पहली शादी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने प्रदेश सरकार की ओर से जारी 31 अगस्त 2019 का शासनादेश का जिक्र किया। कहा कि जोड़े को सुरक्षित व शांतिपूर्ण जीवन मुहैया कराने की मांग करना उनका अधिकार है। पुलिस इस जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। लापरवाह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है। 31 अगस्त 2019 का शासनादेश शक्ति वाहिनी मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से ऑनर किलिंग और खाप पंचायतों के फैसले के खिलाफ दिए गए दिशानिर्देशों का हिस्सा है। अगर शादीशुदा जोड़ा इच्छा जताता है तो उन्हें न्यूनतम दर पर एक महीने के लिए सेफ हाउस दिया जाएगा। अगर जान का खतरा ज्यादा है तो इस अवधि को एक साल तक बढ़ाया जा सकता है। यदि जोड़ा बालिग है पर शादी नहीं हुई है तो पुलिस और मजिस्ट्रेट को उनकी शादी के पंजीकरण में सहयोग करना होगा। कोर्ट ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक इन शिकायतों पर अत्यधिक संवेदनशीलता बरतें। शिकायत के एक हफ्ते के भीतर उन्हें जांच रिपोर्ट सौंपनी होगी। अंतर्जातीय और अंतरधार्मिक विवाह करने वालों को विशेष प्राथमिकता दी जाए।

कोर्ट की दो टूक...शादी की वैधता पर नहीं है यह आदेश

कोर्ट ने अपने यह भी साफ कर दिया कि यह आदेश केवल जीवन की सुरक्षा के लिए है। इसका मतलब यह कतई नहीं है कि कोर्ट ने उनकी शादी को कानूनी तौर पर वैध मान लिया है।

पौधारोपड़ कार्यक्रम व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। आज सी एम पी डिग्री कालेज प्रयागराज में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संख्या 30 डॉ. सपना मौर्या व 32 डॉ. पूजा गौड़ की स्वयं–सेविकाओं ने कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से प्रारम्भ किया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रो. एस. पी सिंह ने स्वयंसेविकाओं को सामाजिक हितों, संस्कारों, मानव के उत्तरदायित्व, जीवन जीने के तरीके, शिक्षा के महत्व व राष्ट्रीय सेवा योजना में राष्ट्रीयता की भावना के महत्व पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास, महत्व व संभावनाओं की

चर्चा की। कार्यक्रम के दूसरे चरण में, पौधारोपण कार्यक्रम व कालेज कैम्पस के क्यारियों की निराई गुड़ाई तथा गमलों की सफाई, सूखे पौधों को निकालकर नये पौधो को लगाने का कार्य स्वयसेविकाओं ने किया और तीसरे चरण में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे निर्णायक समिति में डॉ. दीप्ति विष्णु, डॉ. अनुराधा सिंह व डॉ. उत्तरा सिंह रहीं। प्रतियोगिता में ईकाई 30 की महिमा,आराध्या, तृप्ति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान तथा इकाई 32 की श्रीजल,गौरी ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान और सपना सिंह व आशा पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।इस कार्यक्रम में प्रो. आभा त्रिपाठी, प्रो. अर्चना खरे, प्रो. भावना चौहान,डॉ यशवन्त कुमार, डॉ राजेश कुमार यादव आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन डॉ रामचिरंजीव ने व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूजा गौड़ ने किया। राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

नगला कुंजी में निशुल्क मल्टी स्पेशलिटी मेडिकल कैंप का सफल आयोजन

मथुरा। बलदेव क्षेत्र के नगला कुंजी गांव में राधास्वामी सत्संग सभा दयालबाग और शरण आश्रम अस्पताल दयालबाग के चिकित्सकों द्वारा एक निशुल्क मल्टी स्पेशलिटी कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में आगरा से आए डॉक्टरों ने स्थानीय समुदाय को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी सेवाएं दीं। कैंप का उद्घाटन शरण आश्रम अस्पताल के चीफ मेडिकल

ऑफिसर प्रोफेसर एसके सतसंगी एवं पूर्व अध्यक्ष, एसएन मेडिकल कॉलेज, की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनूपसिंह, डॉ. रजनी, डॉ. पूजा , बलभद्र इण्टर कॉलेज से सुधाकर उपाध्याय, शरद सिन्हा,कोमल प्रसाद की उपस्थिति में विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने 400 के लगभग मरीजों का चेक अप कर निशुल्क दवाइयां वितरण की। कैंप में ग्रामीणों के लिए सामान्य स्वास्थ्य जांच, आंखों की जांच, रक्त परीक्षण, और अन्य आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही, डॉक्टर्स ने स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न जानकारियों एवं सावधानियों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया। स्थानीय निवासियों ने कैंप के आयोजन की सराहना की और आयोजकों और डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का मानना है कि ऐसे कैंप से उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा और वे चिकित्सीय मदद के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा। कैंप में नगला बाला, सरकंड खेड़ा, खोदुआ नगला जमुनी, पचावर आदि गांवों से चिकित्सा परीक्षण कराने मरीज आए।

समापन समारोह में नगला कुंजी से मुनेश शर्मा, गुरुशरन, भारत सिंह, जय नारायण, कालू,राकेश उपस्थित लोगों ने कैंप की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में ऐसे और चिकित्सा शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कही अनियमितता नही, आरक्षण का पालन–खन्ना

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी की सदस्य रागिनी सोनकर ने लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं के परिणामों और नियुक्तियों में विलंबता को रोकने के लिए सरकार से पूछा कोई योजना है या नही।सरकार लंबित परीक्षाओं के परिणामों में बिलम्ब के कारण कई बार अभ्यर्थी ओवरएज हो जाते हैं और दूसरी नौकरी के लिए आवेदन करने लायक ही नहीं रह जाते।सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सवाल पूछा कि यह बताया जाए कि लोक सेवा आयोग में कितनी भर्तियां दी गईं। आरक्षण के मामले में इतनी अनियमितता क्यों हो रही है?संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने रागिनी के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वर्ष 2026 के लिए 30 जनवरी को कलेंडर जारी हो गया है। अभी तक आयोग के द्वारा अप्रैल 2017 से अब तक 47407 पदों पर भर्ती की गई। इसमें सामान्य वर्ग के 18004 अभ्यर्थी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 2082 अनुसूचित जाति के 9580 और अनुसूचित जनजाति के 447 और ओबीसी 17295 पदों पर भर्ती की गई है। ओबीसी का अगर आरक्षण 27 फीसदी देखा जाए तो 12799 आता है लेकिन हमने उससे ज्यादा 17295 भर्ती किए हैं।

विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति का साधारण सभा में वित्तीय वर्ष 2026–2029 समिति का गठन

सभा में नई प्रचारिका स्वप्ना रविदास को फुलाम गामोछा से और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित

विश्वनाथ, असम। पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख हिंदी स्वैच्छिक संस्था तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत प्राप्त विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति का बुधवार को राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी के प्रांगण में अपराह्न 3 बजे साधारण सभा का आयोजन किया गया। जिसका अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह और सभा संचालन संतोष कुमार महतो ने की। सर्वप्रथम सभाध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह के अध्यक्षता में उपस्थित अतिथियों व हिंदी प्रेमियों ने अपना परिचय दिया। इसके बाद राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल के हाल ही में हुए दिवंगत प्राचार्य बीरेंद्र प्रसाद शर्मा के याद में एक मिनट का मौन व्रत रखा गया। इसके बाद सभा का कार्यवाही शुरू हुई जिसमें सचिव ने मंचासीन अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, वरिष्ठ समाजसेवक व हिंदी सेवी हरिप्रसाद ठाकुर, उपाध्याय विनोद कुमार गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय, वरिष्ठ संस्कृत विद्वान लोकनाथ उपाध्याय और पूर्व वार्ड पार्षद रूपक दास गुप्त को फुलाम गामोछा से सम्मानित करवाया। सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा का उद्देश्य व्याख्या करते हुए संस्थान के 10 वीं वर्षगांठ प्रदेश होने की जानकारी दी। अध्यक्ष के निर्देशानुसार सचिव ने पूर्व समिति का गठन का प्रतिवेदन पाठ की और उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से सदन में गृहीत किया। इसके बाद संस्थान के तीन वर्षों का कार्य विवरण और तीन वर्षों का

लेखा–जोखा पेश किया। सभी में सभी ने सर्वसम्मति से पारित किया गया। तत्पश्चात् पुरानी समिति 2022–2025 को भंग कर नई प्रबंधन समिति गठन की घोषणा हुई। सदन में सर्वसम्मति से फिर से अध्यक्ष के पद पर प्रभुनाथ सिंह सुशोभित हुए। इसके बाद उपाध्यक्ष के रूप में विनोद कुमार गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय, सचिव संतोष कुमार महतो, सहसचिव क्रमशः सत्यप्रकाश गुप्ता, मनीषा पाल, कोषाध्यक्ष छेदीलाल कुर्मी, साहित्य सचिव लोकनाथ उपाध्याय, सांस्कृतिक सचिव गीता वर्मा, सह सांस्कृतिक सचिव रवीन्द्रनाथ गुप्ता, हिंदी प्रेमी सदस्य क्रमशः कन्हैयालाल गुप्ता, महेंद्र प्रताप गुप्ता, अभिभावक सदस्य क्रमशः वंदना दास , कल्पना पाल, शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में चित्र प्रसाद पौड़ेल, महिला सदस्य रुकसद परवीन,दाता सदस्य संतोष प्रसाद गुप्ता और समिति द्वारा मनोनीत सदस्य क्रमशः सैयदा आनोवारा खातुन , बजरंग रौनियार को सर्वसम्मति से चुना गया। इसके बाद संस्थान के मुख्य सलाहकार के रूप में हरिप्रसाद ठाकुर , श्यामानंद रौनियार, मदन गोपाल साहू आदि और साधारण सलाहकार के रूप में सुधन साहनी, सुरेंद्र कुमार सहनी, अंजय कुमार प्रसाद आदि को रखा गया। सदन के अध्यक्ष ने सभी के नवनिर्वाचित। पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई दी। इसके बाद डफलागढ़ से संस्थान के नई प्रचारिका बनने पर स्वप्ना रविदास को फुलाम गामोछा से और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।अंत में सभाध्यक्ष ने नई समिति से हिंदी भाषा व साहित्य के बहुत सारे कार्य होने की उम्मीद जताए हुए विगत दिनों में हुए संस्थान की उपलब्धियां की जानकारी दीघ।अंत में सचिव के उपस्थित अतिथियों व हिंदी प्रेमियों को धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान से सभा भंग हुई।उल्लेखनीय है कि संस्थान अपने स्थापना काल से ही हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के साथ नवलेखक का प्रोत्साहन, हिंदी परीक्षा का आयोजन, साहित्य के विविध गतिविधियों आदि के लिए लोकप्रिय रहा है। ज्ञात हो कि यह संस्थान 10 वीं वर्षगांठ में प्रवेश कर चुका है। संस्थान ने एक दशक में हिंदी भाषा, साहित्य के गतिविधियों कार्य में एक नए मुकाम हासिल की है।

नवाचार और शोध भावना के साथ संपन्न हुआ सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में चल रहे तीन दिवसीय बूट कैंप

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं आई.आई.सी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय "बूट कैंप ऑन प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड आइडिएशन" का तृतीय दिवस अत्यंत उत्साह, नवाचार एवं रचनात्मकता के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम डॉ. कीर्ति राजे सिंह, सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संचालित किया गया।कार्यक्रम के प्रथम सत्र में "वर्मी कम्पोस्ट निर्माण एवं जैविक खेती" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षा डॉ. अनीता सिंह रहीं। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. हेमलता पंत (विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज) ने केंचुआ खाद निर्माण की वैज्ञानिक विधि, जैविक खेती के लाभ, मृदा उर्वरता में वृद्धि तथा पर्यावरण संरक्षण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को सतत कृषि एवं आत्मनिर्भर खेती की दिशा में कार्य करने हेतु प्रेरित किया।धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पल्लवी राय ने प्रस्तुत

किया।द्वितीय सत्र "इंटरएक्टिव सेशन एवं स्टूडेंट इनोवेशन पिच (स्टूडेंट आइडिया प्रेजेंटेशन एंड एक्सपर्ट मेंटरिंग सेशन)" के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी एवं शोधपरक विचारों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इस सत्र की अध्यक्षा प्रो. अमिता पांडेय रहीं। निर्णायक मंडल में डॉ. आलोक कुमार सिंह (वनस्पति विज्ञान), डॉ. मनोज जायसवाल (प्राणी विज्ञान) एवं डॉ. मोनिका सिंह (रसायन विज्ञान) शामिल रहे। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के विचारों का मूल्यांकन करते हुए उन्हें उपयोगी सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस सत्र का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पल्लवी राय ने प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर वैलिडिक्टरी सेशन आयोजित किया गया। इस सत्र की मुख्य अतिथि प्रो. एच. के. केहरी रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों को नवाचार, अनुसंधान एवं उद्यमिता की दिशा में निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया तथा सतत विकास की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को तीन विशेष पुरस्कार प्रदान किए गएकृबेस्ट बॉटनिकल इनोवेशन अवार्ड, बेस्ट रिसर्च ओरिएंटेड आइडिया अवार्ड, बेस्ट इको–फ्रेंडली सॉल्यूशन अवार्ड इन पुरस्कारों के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, शोधपरक दृष्टिकोण एवं पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया।अंत में डॉ. दीपक कुमार गोंड ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, निर्णायकों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस प्रकार तीन दिवसीय बूट कैंप का तृतीय दिवस उत्साह, सम्मान एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसने विद्यार्थियों में समस्या–समाधान क्षमता, नवाचार सोच एवं शोध के प्रति रुचि को सुदृढ़ किया।

जगमग हुए गांव, उद्यमों ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। वर्ष 2017 से पहले बिजली की किल्लत से जूझ रहे उत्तर प्रदेश के गांव अब जगमगा रहे हैं। योगी सरकार ने ग्रामीण विद्युतीकरण को विकास की बुनियाद बनाया और योजनाबद्ध तरीके से हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है। घर–घर बिजली कनेक्शन सुनिश्चित किया जा चुका है। प्रदेश सरकार के बजट 2026–27 में बिजली क्षेत्र को 65,926 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। दीन दयाल ग्राम उपाध्याय ज्योति योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पारेषण और वितरण नेटवर्क को मजबूत किया गया है। जर्जर लाइनों को बदला गया और नए उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना' के जरिए लाखों परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए गए। इससे ग्रामीण जीवन की तस्वीर बदलती दिख रही है। अब गांवों में न केवल घरेलू रोशनी बल्कि कृषि और लघु उद्योगों को भी निर्बाध बिजली मिल रही है। गांवों में वितरण तंत्र को और सुदृढ़ किया जा रहा है। पुराने कंडक्टर बदले जा रहे हैं, लो टेंशन एबी केबल बिछाई जा रही हैं और ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। स्मार्ट मीटरिंग को भी तेजी से लागू किया जा रहा है जिससे कि बिजली चोरी पर अंकुश लगे और आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर हो। इन कदमों से ग्रामीण क्षेत्रों में लो वोल्टेज की समस्या में कमी आई है और उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली मिल रही है।ग्रामीण विद्युतीकरण का सीधा लाभ खेती और स्वरोजगार के क्षेत्र में मिल रहा है। सिंचाई के लिए विद्युत आपूर्ति बेहतर होने से फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है। डेयरी, कोल्ड स्टोरेज, आटा चक्की, वेल्डिंग और अन्य छोटे व्यवसायों को निरंतर बिजली मिलने से गांवों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार देखा जा रहा है।

डीडीयूजीजेवाई और सौभाग्य योजना से हर गांव का विद्युतीकरण।
ग्रामीण बिजली आपूर्ति से कृषि, डेयरी, कुटीर उद्योग और स्वरोजगार को मिला बढ़ावा।
लाइन अपग्रेडेशन, ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि और स्मार्ट मीटरिंग।

गांव-गांव रोशनी से बदली तस्वीर, योगी सरकार में रोशन हुआ ग्रामीण उत्तर प्रदेश

गुलाल उड़ाओ जमकर

(छप्पय)

रंगों का ले थाल आ गया फागुन जब से।
छुईमुई की लाज हुई है रुखसत तब से।
सुन कोयल की कूक धरा कहती है हँसकर।
भर भर अंजलि आज गुलाल उड़ाओ जमकर।
खुशियों की सौगात ले मौसम रंग वसंत का।
कहता है सखि से सुनो, बरसाओ रस प्रेम का।।

करता मौन गुहार सुनो! ऐ अगली पीढ़ी।
वासन्तिक मनुहार प्रेम की पहली सीढ़ी।
मौसम का उन्माद सभी को लगते प्यारे।
तजकर सारे लाज रहें अनुशासित सारे।
उन्मादी हर रंग के किस्से भी मशहूर हैं।
उन्हें बुलाती है सदा अपनों से जो दूर हैं।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जमालपुर में 99वें आई.आर.एस.एम.ई. दिवस पर प्रशांत कुमार मिश्रा महाप्रबंधक एमसीएफ एवं आरसीएफ की 2 पुस्तकों का विमोचन

जमालपुर। 99वें आई.आर.एस.एम.ई. दिवस के अवसर पर इरिमी जमालपुर में प्रशांत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) एवं अतिरिक्त प्रभार महाप्रबंधक, रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला द्वारा भारतीय रेलवे के इतिहास पर आधारित उनकी दो बहुप्रतीक्षित पुस्तकों '"व्हेन हिस्ट्री वाज क्रिएटेड इन 19 सेंचुरी कॉलोनियल इंडिया 1841–1871 तथा "टेल्स फ्रॉम रेल्स"' का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर श्री मिश्रा ने ईस्ट इंडियन रेलवे की ऐतिहासिक विरासत पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भारत में प्रारंभिक रेल विकास में पूर्वी क्षेत्र की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। साम्राज्यवादी पृष्ठभूमि में प्रारंभ हुई यह रेल

व्यवस्था समय के साथ राष्ट्रीय परिवर्तन का माध्यम बनी। दोनों पुस्तकें ईस्ट इंडियन रेलवे के आरंभिक वर्षों का व्यापक, शोधपरक एवं प्रामाणिक इतिहास प्रस्तुत करती हैं। प्राथमिक स्रोतों पर आधारित यह शोध दर्शाता है कि कैसे रेल ने केवल भौगोलिक दूरियाँ ही नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा भी निर्धारित की। "टेल्स फ्रॉम रेल्स" में रेल इतिहास से जुड़ी 32 सत्य घटनाओं पर आधारित कहानियाँ एवं निबंध संकलित हैं। इसमें श्रमिकों की लोककथाओं से लेकर आधी रात की डाक गाड़ियों, पटरियों के नीचे दबे बुद्ध की रहस्यमयी खोज तथा जमालपुर की सामाजिक परंपराओं तक अनेक रोचक प्रसंगों का साहित्यिक प्रस्तुतीकरण किया गया है। आरेडिका की उपलब्धियों पर व्याख्यान के दौरान श्री मिश्रा ने बताया कि आरेडिका ने 1अप्रैल 2014 से अब तक कुल 15,369 कोचों का उत्पादन किया। चालू वर्ष में 1800 कोचों का निर्माण कर लिया गया है एवं फरवरी 2026 में 16 डिब्बों वाली प्रथम वंदे भारत चेयर कार रेक का निर्गमन नियोजित है। फरवरी माह में ही 50,000 फोर्ज्ड व्हील का उत्पादन कर लिया गया है। पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत हजारों पौधों का रोपण एवं वर्षा जल संचयन संरचनाओं की कुल क्षमता 748 मिलियन लीटर की गई। हरित पार्क, बच्चों के उद्यान एवं पारिस्थितिकीय विकास से जुड़े कई विविध कार्य आरेडिका ने पिछले 3 वर्षों में किया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस दौरान कार्यक्रम में विशिष्ट उपस्थिति आर. के. मंगला (सेवानिवृत्त अपर सदस्य, रेलवे बोर्ड), संजीव किशोर (सेवानिवृत्त महाप्रबंधक, साउथ वेस्टर्न रेलवे), बी. पी. बर्नवाल (मुख्य कारखाना प्रबंधक, जमालपुर), सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारी एवं गणमान्यजनों की रही। भारतीय रेल के सबसे पुराने इस जमालपुर संस्थान में इन पुस्तकों का विमोचन भारतीय रेलवे की समृद्ध विरासत और उसके परिवर्तनकारी प्रभाव के प्रति निरंतर बढ़ती रुचि का प्रतीक है।

गुम नहीं गिरफ्तार हुए सपा प्रवक्ता, बाराबंकी पुलिस ने मनोज यादव को दबोचा

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज यादव को लेकर पिछले 48 घंटों से चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। जिसे लखनऊ पुलिस और परिजन श्लापताश समझकर तलाश रहे थे, उन्हें बाराबंकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मनोज यादव को उनके साथियों के साथ सफदरगंज इलाके से हिरासत में लिया गया। मनोज यादव मंगलवार को काकोरी में एक तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से निकलने के बाद उनका मोबाइल बंद हो गया और वे घर नहीं पहुंचे। परेशान परिवार ने लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस सीसीटीवी और लोकेशन खंगाल रही थी, तभी बाराबंकी पुलिस की इस कार्रवाई ने सबको चौंका दिया। बाराबंकी पुलिस के अनुसार, मनोज यादव उर्फ बबलू के खिलाफ सफदरगंज थाने में 11 फरवरी को एक मुकदमा (मु0अ0सं0 50/26) दर्ज हुआ था। उन पर आरोप है कि उन्होंने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया (एससी–एसटी एक्ट)। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस इसी मामले में उनकी तलाश कर रही थी और बुधवार को उन्हें सफदरगंज इलाके से दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। मनोज यादव का बड़ागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके तुरंत बाद पुलिस की एक विशेष टीम उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ लेकर रवाना हो गई। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि तिलक समारोह से निकलने और गिरफ्तारी के बीच मनोज यादव कहां थे? बाराबंकी पुलिस अब उन तमाम कड़ियों को जोड़ रही है ताकि यह साफ हो सके कि वे अपनी मर्जी से कहीं गए थे या गिरफ्तारी के डर से छिपे हुए थे।

सम्पादकीय.......

फर्जी की मर्जी पर अंकुश

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है। निस्संदेह दुनिया में जैसे–जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे–वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ–साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता का विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति से असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना तकनीकी प्रगति की छलांग लगाती गति के दुष्परिणामों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित स्पर्धा के दौर में नैतिक दुविधा स्पष्ट है। साथ ही इसका कोई कारगर समाधान शीघ्र नजर भी नहीं आता। इस संकट से विकासशील देश ही नहीं, विकसित देश भी गहरे तक जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया व फ्रांस आदि देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिये एक ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया है। सोशल मीडिया कारोबार में दोनों हाथों से मुनाफा बटोरने वाली कंपनियों के देश अमेरिका में दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों पर लोगों को लत लगाने वाली मशीनें बनाने के आरोप लग रहे हैं। इस बाबत एक अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख विशेषज्ञ की टिप्पणी है– हम देख रहे हैं कि अधिकाधिक युवा न केवल मनोवैज्ञानिक बल्कि शारीरिक पीड़ा का भी अनुभव करते हैं, जब उनसे फोन आदि उपकरण ले लिए जाते हैं। कमोबेश यही स्थिति भारत समेत तमाम विकासशील देशों में भी बनी हुई है। इस संकट का कोई स्थायी समाधान विश्व भर के लिये प्रासंगिक हो सकता है। निस्संदेह, इस बेहद घातक तकनीक आक्रमण से निबटना लगातार बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। निर्विवाद रूप से असली–नकली के भ्रम से जूझते उपयोगकर्ताओं की संवेदनाओं से खिलवाड़ का सिलसिला नियंत्रित होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर डीपफेक से धोखाधड़ी–गलत सूचनाओं के बढ़ते खतरों को नियंत्रित करने के लिये सख्त नियम के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के संचालकों को जवाबदेह बनाना भी जरूरी है।

पाकिस्तान के इस्लामी चरित्र की सच्चाई

बलबीर पुंज

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

6 फरवरी, 2026 को इस्लामाबाद की खादिजा–तुल–कुबरा शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान आत्मघाती विस्फोट हुआ। इसमें 36 लोगों की जान चली गई और 160 से अधिक घायल हो गए। यह केवल एक आतंकी घटना नहीं थी। यह उस गंभीर बीमारी का लक्षण है, जो लंबे समय से पाकिस्तान और मजहब आधारित विचारधारा के भीतर पल रही है, जिसमें गैर–मुस्लिमों के साथ मुसलमान भी मुसलमानों के निशाने पर हैं। यह सिलसिला नया नहीं है। नवम्बर, 2024 में पराचिनार में शिया जुलूस पर हमला हुआ, जिसमें 44 लोग मारे गए। यह जुलूस पैगंबर मोहम्मद साहब की बेटी हजरत फातिमा की याद में निकाला जा रहा था। मार्च, 2022 में पेशावर की कुचा रिसालदार शिया मस्जिद में विस्फोट हुआ, 60 से अधिक लोग मारे गए। 2015 में शिकारपुर की शिया मस्जिद पर हुए हमले में जुमे की नमाज पढ़ रहे 61 लोगों की मौत हुई। 2013 में क्वेटा दो बड़े धमाकों से दहला था, जिसमें 200 से अधिक (अधिकांश शिया) मारे गए थे। ऐसी हृदयविदारक घटनाओं की एक लंबी सूची है। पाकिस्तान में लगभग 4 करोड़ शिया बसते हैं। पिछले दो दशकों में 4,000 से अधिक शिया मुसलमान इस्लाम के नाम पर जिहादी हमलों में मारे जा चुके हैं। यह दर्दनाक मौतें प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं, बल्कि उस जहरीली सोच का स्वाभाविक नतीजा है, जिसका आधार ही असहिष्णुता और घृणा हैं। हर बड़ी आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान की सत्ता का एक परिचित तरीका सामने आता है–दोष बाहर ढूंढो। इस्लामाबाद की शिया मस्जिद पर हालिया जिहादी हमले के बाद भी बिना ठोस प्रमाण के भारत और अफगानिस्तान पर आरोप मढ़े गए। लेकिन यह समस्या आयातित नहीं है। वास्तव में, यह ङ्क्षहसा उस वैचारिक अधिष्ठान से प्रेरित है, जिसकी नींव से पाकिस्तान नाम के कृत्रिम देश का जन्म हुआ और उसी से खुराक लेकर एक राष्ट्र के रूप में जीवित रहने की कोशिश कर रहा है। 'तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान' और 'अहल–ए–सुन्नत–वॉल–जमात' जैसे समूह खुले मंचों से शिया विरोधी भाषण देते रहे हैं। सितम्बर, 2020 में कराची में हजारों सुन्नी कट्टरपंथियों ने रैली निकाली थी, जिसमें शिया मुसलमानों के खिलाफ नारे लगाते हुए उन्हें 'ईशनिंदक' बताकर उनका गला काटने की मांग की गई थी। ऐसे खुलेआम प्रदर्शन इस्लामाबाद सहित पाकिस्तान के अलग–अलग में हिस्सों में हुए थे। पाकिस्तानी सत्ता अधिष्ठान ने वैचारिक बाध्यता के अनुरूप जिहादियों से सीधे संघर्ष की बजाय उनसे बचने या उनका प्रत्यक्ष–परोक्ष सहयोग करने का रास्ता चुना। 2020 में पाकिस्तानी पंजाब में पारित 'तहफ्फुज–ए– बुनियाद–ए–इस्लाम कानून' इसका एक ज्वलंत उदाहरण है, जिसमें इस्लामी मामले में केवल सुन्नी दृष्टिकोण को एकमात्र सच्चा और दूसरे मुस्लिम विचार (शिया सहित) ईशनिंदा के समकक्ष हैं। इस चिंतन का एक वीभत्स रूप 2022 में तब सामने आया, जब डेरा इस्माइल खान में 3 महिला शिक्षकों ने ईशनिंदा के आरोप में अपनी ही एक सहयोगी शिक्षिका की गला रेतकर हत्या सिर्फ इसलिए कर दी, क्योंकि उन्हें एक छात्रा ने बताया था कि उसने सपने में शिक्षिका (मृत) को ईशङ्क्षनदा करते देखा था। आखिर पाकिस्तान में ऐसा क्यों हो रहा है? इसका जवाब उस चिंतन में है, जिसमें आतंकवादियों को 'अच्छे' और 'बुरे' में वर्गीकृत किया जाता है। जब जिहादी भारत या इसराईल को निशाना बनाते हैं, तो वे पाकिस्तान में 'नायक' कहलाते हैं। लेकिन जब वही आतंकी अपनों को ही डंसने लगते हैं, तो पाकिस्तान स्वयं को 'आतंकवाद का पीड़ित' बताने लगता है। क्या यह सच नहीं कि दोनों मामलों में हमलावर एक ही विषाक्त मानसिकता से प्रेरणा पाते हैं? पाकिस्तान का अक्सर तर्क रहा है कि भारत 'मुसलमानों के लिए सुरक्षित नहीं है।' सच्चाई इस झूठ से कोसों दूर है। 1947 में भारत में लगभग 3 करोड़ मुसलमान थे, आज उनकी संख्या 22–24 करोड़ के बीच है। वे लोकतंत्र में भाग लेते हैं, चुनाव लड़ते हैं और शासन–प्रशासन, सेना, शिक्षा और व्यापार में उनकी मौजूदगी है। बहुसंख्यकों की तरह उन्हें समान और कई मामले में अधिक संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। भारत के खाड़ी देशों (अधिकांश इस्लामी) से मजबूत संबंध हैं। मोदी सरकार में ये रिश्ते और प्रगाढ़ हुए हैं। इसके उलट, पाकिस्तान में गैर–मुस्लिमों की संख्या लगातार घटी है। उनकी महिलाएं मजहबी यातनाओं की शिकार हैं। ङ्क्षहदू, सिख आदि अल्पसंख्यक सार्वजनिक जीवन से लगभग गायब हैं। अहमदिया संवैधानिक रूप से गैर–मुस्लिम घोषित हैं। यह अंतर केवल नीतियों का नहीं, वैचारिक दृष्टिकोण का भी है। पाकिस्तान में पहचान का संकट भी उसकी समस्या के केंद्र में है। उसका सत्ता–वैचारिक अधिष्ठान अपनी प्राचीन और बहुलतावादी सनातन विरासत से दूरी बनाता है। जब समाज अपनी सांस्कृतिक निरंतरता की बजाय अपनी जड़ों को अस्वीकार करता है, तो वह भ्रम और कुंठा से घिर जाता है। एक ओर पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर गांधार बौद्ध विरासत को अपनी ऐतिहासिक धरोहर मानता है, साथ ही उन इस्लामी आक्रांताओं– गजनवी, गोरी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली, टीपू सुल्तान आदि को भी अपना नायक कहता है, जिन्होंने मजहबी जुनून में इन्हीं सनातन प्रतीकों को रौंदा था। दुनियाभर के मुसलमानों (भारत सहित) के लिए यह एक महत्वपूर्ण संकेत है जिसे अक्सर इस्लामी पहचान का प्रतीक माना जाता है।

'रिजर्व करंसी' का अपना दर्जा छोड़ने को डॉलर तैयार नहीं

नारायण रामचंद्रन

2026 की शुरुआत के साथ ही 2 महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं। पहली घटना यह थी कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए 'मजबूत युआन' का स्पष्ट

आह्वान किया, वहीं दूसरी ओर, अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गिरते डॉलर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को 'नहीं, यह तो बढिया है' कह कर खारिज कर दिया। यह सच है कि शी ने यह बात 2024 में एक बंद मंच पर कही थी, लेकिन चीनी अधिकारियों ने इसे इसी साल सार्वजनिक किया। यह भी सच है कि ट्रम्प लगभग 4 दशकों में डॉलर की बात करने वाले पहले अमरीकी राष्ट्रपति हैं।पहले अमरीकी डॉलर के विभिन्न ऐतिहासिक चक्रों पर एक संक्षिप्त नजर डालें। सबसे पहला चक्र 1971 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा ब्रेटन वुड्स समझौते के तहत स्वर्ण मानक और डॉलर की स्वर्ण में परिवर्तनीयता को निलंबित करने की चौंकाने वाली घोषणा से शुरू होता है। तब से, डॉलर के 7 प्रमुख चक्र रहे हैं। पहला, 1971–1978रू स्वर्ण मानक छोडने के बाद अस्थिरता। दूसरा, 1978–1985रू डॉलर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। तीसरा चरण, 1985–1992: प्लाजा समझौता और व्यापारिक सांझेदारों के सहयोग से डॉलर के मूल्य में नियोजित अवमूल्यन। चौथा चरण, 1992–2002: मजबूत डॉलर का युग, जिसमें अमरीका एकमात्र वैश्विक महाशक्ति था। पांचवां चरण, 2002–2012' अमरीका द्वारा महत्वपूर्ण मौद्रिक नीति में ढील देने के कारण डॉलर का मूल्य कम हुआ, जबकि उभरते बाजारों में तेजी आई। छठा चरण, 2012–2022: मजबूती का एक दशक, जो 2022 के आसपास उच्चतम स्तर पर पहुंचा। सातवां चरण, 2022–2026: डॉलर नए शिखर पर पहुंचा लेकिन 2022 के मध्य में गिरावट शुरू हुई जो 2025 में और तेज हो गई। आज, डी. एक्स.वाई. डॉलर सूचकांक (छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले) अपने 2022 के उच्चतम स्तर से लगभग 13 प्रतिशत नीचे है, अपने 2008 के न्यूनतम स्तर से 30 प्रतिशत ऊपर है और पूर्ण अवधि के रुझान के ठीक मध्य में है। साथ ही, सोना, जिसे कभी–कभी 'एंटी–डॉलर' कहा जाता है और चांदी, तांबा और प्लैटिनम जैसी अन्य धातुएं हाल ही में अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं (हालिया बिकवाली के साथ)। इससे कुछ विश्लेषकों ने इसे 'डॉलर का अवमूल्यन' कहना शुरू कर दिया है। मुद्राओं के संदर्भ में, अवमूल्यन एक गंभीर शब्द है। इस शब्द के लागू होने के लिए निम्नलिखित चारों शर्तों का पूरा होना आवश्यक है–एक, मुद्रा आपूर्ति में भारी वृद्धि, जिसे आमतौर पर एम2 वृद्धि द्वारा मापा जाता हैय दो, बड़ा राजकोषीय और चालू खाता घाटाय तीन, आसान मौद्रिक नियंत्रण परिस्थितियां, जो आमतौर पर मात्रात्मक सहजता की नीति द्वारा चिह्नित होती हैं और चौथी, देश के आर्थिक प्रबंधन में कम विश्वास। इन चार मापदंडों के आधार पर, आज अमरीका की स्थिति कुछ इस प्रकार है। एम2 द्वारा मापी गई वार्षिक मुद्रा आपूर्ति वृद्धि 5 प्रतिशत है, जो काफी सामान्य है। अमरीका का राजकोषीय घाटा काफी अधिक है (2025–26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 5.5 प्रतिशत अनुमानित) और इसका राष्ट्रीय ऋण 39 ट्रिलियन डॉलर है। एक असामान्य स्थिति यह है कि इसमें से 9 ट्रिलियन डॉलर का पुर्नवत्तपोषण 2026 में होना है, जिससे बॉन्ड यील्ड पर दबाव बढ़ सकता है। अमरीका सकारात्मक वास्तविक दरों और मात्रात्मक सख्ती के संयोजन के साथ मध्यम रूप से सख्त मौद्रिक स्थितियों में काम कर रहा है। हाल के समय में डॉलर के 'सामान्यीकरण' की प्रक्रिया तेज हुई है और आज अमरीका को मुद्रा अवमूल्यन का खतरा नहीं है। यह मुख्य रूप से अमरीकी अर्थव्यवस्था के प्रति लोगों की भावना पर निर्भर करता है। प्रबंधन ने डॉलर को कमजोर कर दिया है। पिछले करीब एक साल से भारतीय रुपया उन मुद्राओं में से एक रहा है, जिनकी कीमत डॉलर के कमजोर होने के कारण कम हुई है। आम धारणा के विपरीत, 2025 में विनिमय दर में भारी गिरावट के बावजूद, पिछले कुछ वर्षों में रुपए का वाष्र्षक अवमूल्यन केवल 3.1 प्रतिशत रहा है। पिछले 25 वर्षों में रुपए के लिए सबसे खराब 3 साल की अवधि 2011–13 थी, जिसमें 'टैपर टैंट्रम' और डॉलर का अपने आधार पर लौटना शामिल था, जिसने डॉलर की मजबूती के दौर का भी संकेत दिया था। आज भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत है और महामारी के बाद से हमने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को बनाए रखा है।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

मानव जग में चाहता, बढ़े हमारा मान।
बात करें सबसे बड़ी, बाँटें सबको ज्ञान।।
बाँटें सबको ज्ञान, नहीं जिन पर वह चलता।
करता ऐसा काम, हाथ वो तब फिर मलता।।
कहती रचना आज, रखो गुण जैसे आनव।
देते हो उपदेश, उसी पर चलना मानव।।

सबमें होती भावना, बढ़े हमारा मान।
जग में ऐसा हो नहीं, घट जाए सम्मान।।
घट जाए सम्मान, नहीं कुछ ऐसा करना।
सबको देना मान, सभी के संकट हरना।।
कहती रचना आज, उसी का आदर जग में।
बाँटे जग में प्रेम, वही है अच्छा सबमें।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

विपक्ष को मिली आंशिक सफलता

अरुण कुमार श्रीवास्तव

राहुल गांधी यानी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आखिरकार बुधवार को संसद में भाषण दे पाए। पिछले सोमवार जब उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने की कोशिश की थी, तो लगातार उन्हें दो दिन रोका गया और फिर बिना चर्चा के ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित हो गया। गनीमत है कि बजट पर ऐसा नहीं हुआ और राहुल गांधी ने संसद में अपना भाषण दिया। राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा करते हुए केंद्र सरकार पर देश की संप्रभुता और डेटा को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने का गंभीर आरोप लगाया। राहुल गांधी ने मार्शल आर्ट्स के श्ग्रिपश और श्चोकश तकनीक का उदाहरण देते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाहरी ताकतों के दबाव में श्सरेंडरश कर चुके हैं। अपने भाषण की शुरुआत में राहुल ने बताया कि मार्शल आर्ट्स में लक्ष्य होता है प्रतिद्वंद्वी पर पकड़ बनाना। एक बार पकड़ आ गई, तो गला चोक किया जाता है और विपक्षी 2–3 बार थपथपा करके समर्पण कर देता है। यही आज भारत की राजनीति में हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मार्शल आर्ट्स में तो ग्रिप, चोक और सरेंडर सब नजर आते हैं, लेकिन राजनीति में ऐसा नहीं होता। इसके बाद राहुल गांधी ने आर्थिक सर्वे पर अपनी बात रखी और कहा कि मैं आर्थिक सर्वेक्षण देख रहा था। मुझे दो मुख्य बिंदु मिले। पहला, हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहां भू–राजनीतिक संघर्ष तीव्र होता जा रहा है। चीन, रूस और अन्य शक्तियां संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व को चुनौती दे रही हैं। दूसरा, हम ऊर्जा और वित्तीय हथियारों के युग में जी रहे हैं। इसका मुख्य अर्थ यह है कि हम स्थिरता के युग से अस्थिरता के युग की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है, और हैरानी की बात यह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) ने भी यही कहा है, कि युद्ध का युग समाप्त हो गया है। वास्तव में, हम युद्ध के युग में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए हम अस्थिरता के युग में प्रवेश कर रहे हैं। डॉलर को चुनौती मिल रही है, और अमेरिकी वर्चस्व को भी चुनौती मिल रही है। हम एक महाशक्ति के युग से एक ऐसे नए युग की ओर बढ़ रहे हैं जिसकी हम भविष्यवाणी नहीं कर सकते। यह एक अस्थिर दुनिया है, और

आर्थिक सर्वेक्षण भी यही कहता है, और मैं इससे सहमत हूं। राहुल गांधी ने ईरान, यूक्रेन जैसे वैश्विक युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि दुनिया एक खतरनाक दौर में है। राहुल ने दावा किया कि अमेरिका और चीन के बीच की लड़ाई में सबसे कीमती चीज श्इंडियन डेटाश है। यानी आम भारतीयों की निजी जानकारी जिस तरह डेटा में तब्दील होकर वैश्विक शक्तियों के पास पहुंच रही हैं, उस पर राहुल ने चिंता जताई। साथ ही अमेरिका से डील को उन्होंने बराबरी का सौदा नहीं माना और दावा किया कि इंडिया गठबंधन होता तो ट्रंप से बराबरी पर बात करता, लेकिन मौजूदा सरकार ने श्नौकरश की तरह डेटा सौंप दिया है। वहीं किसानों के हक की आवाज उठाते हुए राहुल ने कहा कि मोदीजी ने अमेरिका के लिए दरवाजे खोलकर भारतीय किसानों को कुचलने की तैयारी की है। हमारे किसानों पर इतना बड़ा हमला कभी नहीं हुआ। वहीं बांग्लादेश पर अमेरिका ने शून्य टैरिफ लगाया है, जिससे भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ेगा, इस पर राहुल ने मोदी सरकार को घेरा। राहुल जब बिंदुवार तरीके से मोदी सरकार को बजट और अमेरिका से सौदे पर घेर रहे थे, तब सदन में बैठे सत्तापक्ष के लोग काफी बेचौन दिख रहे थे। इसके बाद राहुल गांधी ने जैसे ही अनिल अंबानी, हरदीप पुरी और एपस्टीन फाइल्स का जिक्र किया। उन्हें फौरन नियम याद दिलाए जाने लगे। जगदंबिका पाल ने उन्हें बजट पर बोलने को कहा, और कहा कि जो सदन का सदस्य नहीं है, अपना पक्ष रखने के लिए यहां नहीं है, उस पर आप आरोप नहीं लगा सकते। इस पर के सी वेणुगोपाल ने पूछा कि क्या नियम केवल हमारे लिए हैं, क्योंकि इसी सदन में कुछ दिन पहले दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भी बेतुके आरोप लगाकर कीचड़ उछाला गया था। बहरहाल, बार–बार की टोका–टाकी के बाद भी राहुल रुके नहीं और उन्होंने सनसनीखेज दावा किया कि अनिल अंबानी का नाम श्एपस्टीन फाइल्सश में है, इसलिए वे जेल में नहीं हैं। उन्होंने हरदीप पुरी का नाम भी इस विवाद से जोड़ा और कहा कि वे तो संसद के सदस्य हैं। अपने भाषण में राहुल ने पूछा कि क्या आपको देश को बेचने में, हमारी मां, भारत माता को बेचने में शर्म नहीं आई। राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी का नाम भी लिया कि अमेरिका में उनके खिलाफ मामला है, इसका भी संबंधा इस ट्रेड डील से है। हालांकि अडानी का नाम आते ही फिर से राहुल को टोकने और बोलने से रोकने का सिलसिला शुरु हो गया। इस तरह राहुल गांधी ने एक बार फिर विपक्ष की ताकत और सच की ताकत का एहसास भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को करा दिया। हालांकि जगदंबिका पाल ने उन्हें दो–तीन बार राहुल–राहुल कह कर टोका तो कांग्रेस ने इस पर भी आपत्ति जताई है कि आप भाजपा के सदस्यों के लिए जी और राहुल गांधी के लिए केवल राहुल कैसे कह रहे हैं। लेकिन इस तरह का पक्षपात अब बार–बार जनता देख ही रही है। आज राहुल गांधी ने जितनी बार प्रधानमंत्री मोदी पर हमला किया, भाजपा सांसद परेशान दिखे। आखिरकार जगदंबिका पाल ने नियम 352 का हवाला देकर कहा कि प्रधानमंत्री के विरुद्ध कोई भी आरोप इस नियम के अंतर्गत वर्जित है। लेकिन असल में नियम 352 के अनुसार, प्रधानमंत्री को उच्च पदस्थ व्यक्ति के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है। यह नियम केवल भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपालों, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्त और अन्य संवैधानिकध्वैधानिक प्राधिकरण जिनकी स्वतंत्र स्थिति और गरिमा की रक्षा करना सदन का दायित्व है, उन पर लागू होता है। प्रधानमंत्री इस दायरे में नहीं आते हैं, इसलिए उन पर किसी मुद्दे को लेकर आरोप लगाना गलत नहीं है। मगर इस समय भाजपा के साथ–साथ सारे संवैधानिक पदों को भी प्रधानमंत्री के रक्षा कवच के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश हो रही है।

उस्तरा' को 'रोमियो' बनाने में थोड़ा चूके विशाल भारद्वाज, शाहिद पर भारी पड़े अविनाश और नाना

'मोहब्बत एक बद्दुआ, जिसे लग जाती है उसे तबाह कर देती है।' कुछ ऐसा ही होता है विशाल भारद्वाज और शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो' के साथ। अपनी घोषणा के बाद से ही 'ओ रोमियो' चर्चा में बनी हुई थी। अंततरू आज यह सिनेमाघरों में पहुंच चुकी है। ये शाहिद कपूर की विशाल भारद्वाज के साथ चौथी फिल्म है। पिछली तीन फिल्मों 'कमीने', 'रंगून' और 'हैदर' को क्रिटिक्स से सराहना मिली थी। अब 'ओ रोमियो' में एक्शन, प्यार, धोखा और बदला सबकुछ देखने को मिलता है। जानते हैं कैसी है 'ओ रोमियो'? 'ओ रोमियो' एक बदले की कहानी है। फिल्म की कहानी 1995 के मुंबई पर आधारित है। जहां उस्तरा (शाहिद कपूर) आईबी ऑफिसर खान (नाना पाटेकर) के लिए काम करता है। खान उस्तरा को गैंगस्टर्स को मारने के लिए पैसे देता है। उस्तरा पूरी तरह से खान के कहे पर ही चलता है। क्योंकि कभी खान ने जलाल (अविनाश तिवारी) के चंगुल से उस्तरा को निकाला था और उसकी जान बचाई थी।

उस्तरा अपनी दादी (फरीदा जलाल) और अपने साथियों के साथ एक क्रूज पर रहता है। इनमें छोटू (हुसैन दलाल) उसका सबसे खास है। बार डांसर जूली (दिशा पाटनी) उस्तरा की गर्लफ्रेंड है। एक दिन अफ्शा (तृप्ति डिमरी) उस्तरा को जलाल, अंसारी, शंकर और इंस्पेक्टर पठारे की सुपारी देने आती है। ये सभी जलाल के ही खास आदमी हैं। अफ्शा क्यों ऐसा करना चाहती है, इसके पीछे उसकी एक बैक स्टोरी है। जिसमें है उसका शौहर महबूब कुरैशी (विक्रांत मैसी)। ऐसा क्या होता है, जो अफ्शा इन लोगों की जान लेना चाहती है, इसके लिए तो आपको फिल्म देखनी पड़ेगी। उस्तरा अफ्शा को ऐसा करने से मना कर देता है। लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि उस्तरा अफ्शा की जान बचाता है और इन चारों को मारने में उसकी मदद करता है। यही नहीं वो अफ्शा को भी ट्रेंड करता है। इसी दौरान उस्तरा के अंदर अफ्शा के लिए फीलिंग्स भी जागने लगती हैं।

फिल्म के इंटरवल सीन में जलाल (अविनाश तिवारी) की दमदार एंट्री होती है। वो स्पेन में अपनी पत्नी राबिया (तमन्ना भाटिया) के साथ रहता है। वहीं से मुंबई में अपने ड्रग्स और अंडरवर्ल्ड के सभी धंधों को कंट्रोल करता है। जलाल इतना खूंखार और हैवान है कि उस तक पहुंचना आईबी के लिए भी काफी मुश्किल है। उसकी दहशत उसके पहले सीन में ही पता चल जाती है। फर्स्ट हाफ तक जो कहानी गैंगस्टर वॉर और पुलिस के बीच का एक्शन–ड्रामा मालूम पड़ती है, सेकंड हाफ में वो एक लव स्टोरी और बदले की कहानी बन जाती है। अपने उस्तरा से लोगों को मिनटों में मौत के घाट उतारने वाला उस्तरा अचानक रोमियो बन जाता है और अपने प्यार (अफ्शा) के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हो जाता है।

'ओ रोमियो' को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद कपूर को चॉकलेटी हीरो की इमेज से बाहर निकालने का ठेका सिर्फ विशाल भारद्वाज ने ही ले रखा है। हर बार की तरह यहां भी उन्होंने शाहिद से वैसा ही काम कराया है, जैसा 'कमीने' और 'हैदर' में उन्होंने किया था। यही कारण है कि कई बार जब वो एक सनकी, खूंखार रूप में नजर आते हैं, तो वो 'हैदर' और 'कमीने' की याद दिलाते हैं। लेकिन उनकी आंखों में वो गुस्सा और इंटेंस लुक उनके काम को बेहतरीन बनाता है। साथ ही बीच–बीच में उनकी और नाना पाटेकर की नोक–झोंक माहौल को नर्म बनाने का काम करती है। तृप्ति डिमरी को देखकर फिल्म में अच्छा लगता है, क्योंकि यहां उन्होंने सिर्फ अपनी खूबसूरती ही नहीं दिखाई है, बल्कि कहानी का सबसे अहम किरदार अदा किया है। फिल्म में वो रोमांस से ज्यादा एक्शन करती नजर आती हैं। बेशक निर्देशक ने उनकी खूबसूरती का भी अच्छा इस्तेमाल किया है। लेकिन उनके इमोशन और एग्रेशन पहली बार इस तरह खुलकर सामने आए हैं। कहीं न कहीं इसका श्रेय विशाल भारद्वाज को जाता है। उनको देखकर ऐसा लगता है कि ये किरदार उन्हीं के लिए था।

अविनाश तिवारी ने हैरान किया है। उनकी एंट्री जरूर इंटरवल से ठीक पहले होती है, लेकिन उन्हें देखकर लगता है कि देर आए पर दुरुस्त आए। जलाल के किरदार में वो पूरी तरह उतरे हैं। वो खौफनाक और हैवान लगे हैं। क्लोज–अप शॉट्स में उनकी आंखों में वो गुस्सा और वहशीपन देखकर एक बार दर्शक भी डर जाएंगे। जबकि इमोशनल सीन में भी वो पूरी तरह उतर जाते हैं। उन्होंने ये दिखाया है कि वो वाकई एक वर्सटाइल एक्टर हैं और उनकी रेंज एक 'मजनू' से कहीं ज्यादा है। उम्मीद है कि इस फिल्म के बाद उनके खाते में और भी दमदार रोल आएंगे। नाना पाटेकर अपने किरदार में पूरी तरह से उतर गए हैं। उन्होंने खान के किरदार में जो मसखरी की है, वो सिर्फ नाना ही कर सकते हैं। बेशक उनका किरदार थोड़ा और एक्सप्लोर किया जा सकता था, लेकिन जितना है कहानी के हिसाब से भी काफी अहम है और एक्टिंग के लिए तो नाना का कहना ही क्या। इसके अलावा विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया और दिशा पाटनी कहानी में थोड़ी देर के लिए ही हैं। लेकिन जितनी भी देर आए हैं अपने किरदार से इंसाफ करके गए हैं। तमन्ना बाकी किरदारों से अलग तरह के किरदार में हैं।

हालांकि, 'आशिकों की कॉलोनी' गाने में दिशा के हॉट फिगर और बोल्ड स्टेप्स पर शाहिद कपूर का शानदार डांस भारी पड़ा है। शायद बहुत कम ही ऐसा होता होगा कि दिशा पाटनी के स्क्रीन पर डांस करते समय भी लोगों की नजरें किसी और पर जाएं। फरीदा जलाल 76 साल की उम्र में वो करती हैं, जो उन्होंने अपने पूरे करियर में नहीं किया। वो बेबाक तरीके से नजर आई हैं, जहां पहली बार पर्दे पर कठोर शब्दों का इस्तेमाल कर रही हैं। बेशक एक ऐसे गैंगस्टर की दादी होने पर इस तरह का होना स्वाभाविक है। हुसैन दलाल का काम भी अच्छा है। विशाल भारद्वाज की फिल्मों में संगीत की अहम भूमिका होती है। अब जब गुलजार के शब्द, अरिजीत सिंह की आवाज और विशाल भारद्वाज का संगीत एकसाथ आएगा, तो फिर फिल्म का संगीत बेसुरा तो नहीं हो सकता। स्लो और रोमांटिक सॉन्ग से लेकर 'आशिकों की कॉलोनी' और 'पान की दुकान' जैसे डांस व पार्टी सॉन्ग भी सुनने में अच्छे लगते हैं। सबसे खास बात गाने गलत टाइम पर नहीं आते और कहानी में कहीं भी अखरते नहीं हैं। बल्कि कहानी के साथ बह जाते हैं। टाइटल ट्रैक में अरिजीत की आवाज में 'ओ रोमियो.. जां के लिए जां दीजियो' सुनते ही अलग एहसास होता है। इसके अलावा विशाल भारद्वाज क बैकग्राउंड म्यूजिक भी कहानी को मजेदार बनाता है। जिस तरह से फिल्म में 90 के दशक के गानों का इस्तेमाल हुआ है, खासकर फाइट सीक्वेंस में, वो फिल्म को मजबूती ही प्रदान करता है। विशाल भारद्वाज का निर्देशन कभी भी टोंकने वाला नहीं लगता है। लेकिन इस बार वो 'मकबूल', 'कमीने' और 'हैदर' जैसा जादू यहां नहीं चला पाते हैं। शायद गैंगस्टर–एक्शन ड्रामा और लव स्टोरी पिरोने के चक्कर में कुछ जगह वो भटक जाते हैं। जिससे कई मौकों पर कहानी भी भटकी लगती है। कुछ एक एक्शन सीन और सीक्वेंस पूरी तरह से हीरोइक लगते हैं, जिससे अब तक विशाल भारद्वाज बचते रहते थे। जैसे कि क्लाइमैक्स अखरता है, क्योंकि अगर कोई इतना पावरफुल है तो एक आदमी उस तक इतनी आसानी से कैसे पहुंच जाता है?

रणवीर सिंह धमकी मामले में नया मोड़, क्या कंफर्म हुआ बिश्नोई गैंग से कनेक्शन ?

रणवीर सिंह को मिली धमकी के पीछे किसका हाथ है, इसकी जांच मुंबई क्राइम पुलिस कर रही है। अभिनेता से वॉइस नोट भेजकर 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। अटकलें लग रही थीं कि इस मामले में बिश्नोई गैंग का कनेक्शन हो सकता है। अब पुलिस जांच में इस धमकी के तार बिश्नोई गैंग से जाकर जुड़ गए हैं। जानिए, रणवीर सिंह को धमकी देने वाले शख्स का बिश्नोई गैंग से क्या कनेक्शन है। रणवीर सिंह धमकी मामले में नई जानकारी सामने आई है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने धमकी भरा वॉइस नोट भेजने वाले का पता लगा लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मैसेज में आवाज कथित तौर पर हैरी बॉक्सर की है, जो गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का करीबी माना जाता है। आईएएनएस की एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने कहा कि उनकी शुरुआती जांच में सामने आया है कि वॉइस नोट में जो आवाज है वो हैरी बॉक्सर की है। लेकिन अभी भी सब कुछ ठीक से कंफर्म करने के लिए और सबूत देख जा रहे हैं। रणवीर सिंह धमकी मामले में अभी भी फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस भी इस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसके बाद ही जरूर कानूनी कदम पुलिस द्वारा उठाए जाएंगे। रणवीर सिंह के केस को लेकर ही उनके मैनेजर का बयान क्राइम ब्रांच ने तीन दिन पहले दर्ज किया था। साथ ही इस घटना के बाद रणवीर सिंह और उनके घर की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। एक तरफ रणवीर सिंह हाल ही में मिली फरौती की धमकी को लेकर चर्चा में हैं। वहीं उनकी फिल्म धुरंधर 2 भी खबरों में हैं। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहली फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कलेक्शन किया था। यही उम्मीद मेकर्स को धुरंधर 2 से भी है।

6 से 7 महीने की रिसर्च के बाद बनी है 'द केरल स्टोरी 2', विपुल शाह ने बताई तैयारी की पूरी कहानी

विपुल अमृतलाल शाह इंडियन सिनेमा के जाने–माने फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने सालों में कई ऐसी फिल्में दी हैं जो कल्ट भी बनीं और जिनका जबरदस्त असर भी रहा। द केरल स्टोरी के साथ उन्होंने एक बेखौफ कहानी दिखाई, जिसने फिल्म को बड़ी सफलता दिलाई और देशभर में बहस छेड़ दी। फिल्म ने एक ऐसे असली मुद्दे पर बात की, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। अब शाह इसी कहानी को आगे बढ़ाते हुए द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड लेकर आ रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुआ टीजर डर, गुस्से और कड़वी सच्चाई का स्ट्रॉन्ग मिक्स दिखाता है और साफ इशारा करता है कि इस बार कहानी और ज्यादा पावरफुल और लेयर्ड होने वाली है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कमाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारतीय लीगल सिस्टम में दर्ज असली घटनाओं से इंस्पायर्ड है, जिन्हें एक ग्रिपिंग सिनेमाई अंदाज में पेश किया गया है। विपुल अमृतलाल शाह ने बताया कि टीम ने कई महीनों तक डिटेल रिसर्च की, ताकि जो सच्चाई दिखाई जा रही है, वो ऑथेंटिक और फैक्ट्स पर बेस्ड हो। विपुल शाह ने बताया कि जहां पहली फिल्म में भारतीय लड़कियों को आईएसआईएस में कट्टरपंथ की ओर धकेले जाने की कहानी दिखाई गई थी, वहीं द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड भारत के भीतर हो रहे शोषण पर फोकस करती है। यह फिल्म तीन अहम कहानियों पर आधारित है, जो कई असली कोर्ट केस से इंस्पायर्ड हैं। उन्होंने कहा, "जब हम द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड जैसी फिल्म बना रहे थे, तो हम चाहते थे कि यह पूरे भारत की स्थिति को रिप्रेजेंट करे। इसलिए जिन तीन कहानियों को हमने चुना, हम सिर्फ उनकी कहानी नहीं बता सकते थे। हमने कई दूसरी लड़कियों की जिंदगी की घटनाओं को भी इसमें शामिल किया है। नतीजा ये है कि यह तीन लड़कियों की कहानी है, लेकिन इसमें कई और कहानियों की झलक भी है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि फिल्म सिर्फ थ्योरी पर आधारित रिसर्च तक सीमित नहीं रही। टीम ने जमीनी स्तर पर लंबा काम किया।

'पेड्डी' मेकर्स ने जगपति बाबू को जन्मदिन पर भेजा खास संदेश, 'अप्पलासूरी' के किरदार को बताया आकर्षण!

पेड्डी के मेकर्स ने 'सालार' स्टार जगपति बाबू को उनके जन्मदिन पर खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। जगपति बाबू इस बहुप्रतीक्षित तेलुगु स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं और इसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। 2026 की मोस्ट अवेटेड रिलीज में से एक मानी जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी एक्साइटमेंट है। फिल्म में जगपति बाबू 'अप्पलासूरी' के किरदार में नजर आएंगे। उनका रोल एक इंटेंस, चश्मा लगाए हुए और सिद्धांतों पर अडिग बुजुर्ग शख्स का है। माना जा रहा है कि अप्पलासूरी का किरदार कहानी में अहम मोड़ लाएगा और हीरो की जर्नी में बड़ी भूमिका निभाएगा।एक्टर के बर्थडे के मौके पर टीम ने पेड्डी के सेट से जगपति बाबू की एक स्ट्राइकिंग स्टिल शेयर की, जिसमें उनका पावरफुल लुक देखने को मिला। इस फोटो के जरिए फैंस को फिल्म में उनके किरदार की झलक दी गई। मेकर्स ने इस तस्वीर के साथ एक खास नोट भी शेयर किया, जिसमें लिखा था, "शानदार जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं पेड्डी का गाना 'चिकिरी' रिलीज होते ही इतिहास बना गया। सिर्फ 24 घंटे में इसने 46 मिलियन व्यूज बटोर लिए और साल के सबसे ज्यादा देखे और पसंद किए गए गानों में शामिल हो गया। इसके बाद गाने ने एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया अलग–अलग भाषाओं में यूट्यूब पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 2 मिलियन से ज्यादा लाइक्स पार कर लिए, जिससे इसकी जबरदस्त पॉपुलैरिटी साफ दिखती है। बुची बाबू सना के लिखे और निर्देशित पेड्डी में राम चरण टाइटल रोल में हैं। फिल्म में शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

प्रियंका चोपड़ा जोनस से लेकर समारा तिजोरी तक, इन अभिनेत्रियों ने किरदार के लिए कटवाए लंबे बाल

कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने अपने किरदार को पूरी सच्चाई के साथ निभाने के लिए अपने लंबे और घने बालों को अलविदा कह दिया। सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि लुक्स में भी बदलाव कर उन्होंने यह दिखाया कि वे अपने किरदार को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि उसे जीती हैं। छोटे बाल रखना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन इन अभिनेत्रियों ने बिना झिझक यह कदम उठाया और अपने रोल को और भी यादगार बना दिया। आइए नजर डालते हैं उन अभिनेत्रियों पर जिन्होंने शॉर्ट हेयर लुक को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाया।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

साल 2010 में फिल्म अंजाना अंजानी के लिए प्रियंका ने अपने लंबे बाल कटवाकर छोटा और ट्रेंडी हेयरकट अपनाया था। फिल्म में उन्होंने 'कियारा' का किरदार निभाया, और उनका यह लुक इतना पसंद किया गया कि आज भी लोग उसे याद करते हैं। उनका हेयरस्टाइल उस समय ट्रेंड बन गया था।

फातिमा सना शेख

फिल्म दंगल के लिए फातिमा सना शेख ने अपने बाल छोटे करवा लिए थे। बाल महिलाओं के लिए अक्सर भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं, लेकिन फातिमा ने किरदार की मांग को प्राथमिकता दी। उनका यह बदलाव फिल्म के साथ–साथ उनके करियर का भी एक अहम हिस्सा बन गया।

समारा तिजोरी

हाल ही में आई साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल में समारा तिजोरी ने अपने किरदार को असली बनाने के लिए बॉय–कट हेयरस्टाइल अपनाया। आमतौर पर फिल्मों में छोटे बाल दिखाने के लिए विग का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन समारा ने उल्टा किया कृ उन्होंने लंबे बालों के लिए विग पहनी और असल जिंदगी में पिक्सी कट रखकर सभी को चौंका दिया।

दंगल में सान्या मल्होत्रा ने एक रेसलर का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्होंने बहुत छोटे और साधारण पिक्सी कट हेयरस्टाइल को अपनाया। बाद में सान्या ने बताया कि अपने घुंघराले बालों को वापस बढ़ाने में उन्हें काफी समय लगा।

अनुष्का शर्मा

फिल्म पीके में अनुष्का शर्मा का पिक्सी कट और फ्रिंज वाला लुक काफी अलग और नया था। यह उनका सबसे चर्चित और थोड़ा अलग अंदाज था। जहां लोग उन्हें लंबे वेवी बालों में देखना पसंद करते हैं, वहीं इस नए लुक में भी उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज जब कई अभिनेत्रियां ऐसे बदलाव करने से पहले कई बार सोचती हैं, इन अभिनेत्रियों ने बिना डर अपने किरदार के लिए यह बड़ा कदम उठाया। यही वजह है कि उनके ये रोल आज भी लोगों को याद हैं।

बीपी कंट्रोल करने से लेकर आंखों को हेल्दी रखने तक, कीवी खाने से मिलते हैं कई करिश्माई फायदे

खाने में स्वादिष्ट कीवी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसे चाइनीज गूजबेरी के नाम से भी जाना जाता है। ये फल बाहर से हल्के भूरे रंग का होते हैं। इनके अंदर का गूदा चमकीला हरा होता है और छोटे–छोटे बीज भी होते हैं। कीवी कई पोषक तत्वों से होते हैं। इनमें कई बीमारियों को दूर भगाने की पॉवर होती है। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने से लेकर आंखों को हेल्दी रखने तक इन्हें खाने के कई फायदे हैं। आइए हम बताते हैं कि आपको कीवी को अपनी डेली डाइट में शामिल क्यों करना चाहिए?

ब्लड प्रशेर को कंट्रोल करने में मददगार

कीवी हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में आपकी काफी मदद कर सकता है। ये हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे खतरे से भी बचाने में मददगार है। एक स्टडी के मुताबिक जिन प्रतिभागियों ने आठ हफ्ते तक हर दिन 3 कीवी को खाया, उनके डायस्टोलिक और सिस्टोलिक

ब्लड प्रेशर दोनों में काफी कमी देखी गई। ऐसा माना जाता है कि कीवी में पाया जाने वाला ल्यूटिन नाम का एंटीऑक्सीडेंट ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। कीवी में विटामिन सी सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर का कम करने में हेल्प कर सकता है।

इम्यूनिटी को बढ़ाता है

कीवी में मौजूद विटामिन सी शरीर में सेल्स को फ्री रेडिक्लस डैमेज से बचाता है और सेलुलर हेल्थ के लिए भी जरुरी माना जाता है। ये इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करता है और टीशू के विकास और मरम्मत में मदद करता है। कीवी में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है। इसलिए इम्यून सिस्टम के लिए इसे काफी बेहतर माना जाता है।

हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ओस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीनिशयम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थय को कई लाभ प्रदान करते हैं।

बालों के लिए अच्छा

कीवी में पाए जाने वाले पोषक तत्व विटामिन सी और ई बालों के झड़ने को कम करने में आपकी काफी हेल्प कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें फास्फफोरस, मैग्नीशियम और जिंक भी मौजूद होता है, जो ब्लड सर्कुलेशन में हेल्प करता है और बालों की ग्रोथ बढ़ाता है। कीवी के बीज में ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो बालों को अंदर से मॉइस्चराइज रखने में हेल्प करता है।

स्किन की हेल्थ के लिए बेहतर

कीवी विटामिन सी का एक सोर्स है। ये एक एंटीऑक्सिडेंट के रुप में काम करता है और स्किन की परेशानियों को दूर करता है।

आंखों के लिए अच्छा

कीवी मॉक्यूलर डिजनरेशन को रोक सकता है, जो विजन लॉस होने का कारण बनता है। कीवी में सनजमपद और Zeaxanthin पाया जाता है। ये दोनों पदार्थ एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करते हैं।

अगर दिखने लगे ये संकेत, तो समझिए भोलेनाथ है आप पर मेहरबान

कई लोग मानते हैं कि जब जीवन में कुछ खास अनुभव होने लगते हैं, तो वह ईश्वरीय कृपा का संकेत हो सकता है। भगवान शिव से जुड़ी आस्था में भी कुछ ऐसे संकेत बताए जाते हैं, जिन्हें लोग उनकी उपस्थिति या आशीर्वाद से जोड़ते हैं। अगर आपके जीवन में शांति, साहस और विश्वास बढ़ रहा है, तो इसे शिव कृपा मानकर आभार व्यक्त करें। चलिए जानते हैं शुभ संकेतों के बारे में

बार–बार ओमः नमः शिवाय" सुनाई देना या मन में गूंजना

अगर बिना कोशिश के आपके मन में शिव मंत्र बार–बार आने लगे, या आसपास यह मंत्र अक्सर सुनाई दे, तो इसे शिव कृपा का संकेत माना जाता है। कहा जाता है, जब मन खुद शिव का जाप करने लगे, तो समझिए बुलावा आया है। अचानक शिव मंदिर जाने का मन करना, बेलपत्र चढ़ाने की इच्छा होना या शिव भजन सुनने में रुचि बढ़ना यह भी आध्यात्मिक जुड़ाव का संकेत माना जाता है।

सपने में शिवलिंग, गंगा या चंद्रमा दिखना

सपनों में शिवलिंग, हिमालय, गंगा नदी या चंद्रमा दिखाई देना शुभ संकेत माना जाता है। यह मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक माना जाता है। शिव जी के गले में सर्प विराजमान हैं। इसलिए कुछ लोग मानते हैं कि अगर सांप दिखे और वह नुकसान न पहुंचाए, तो यह भी शुभ संकेत हो सकता है। हालांकि इसे अंधविश्वास न बनाएं सावधानी हमेशा जरूरी है।

सोमवार को विशेष शांति या सकारात्मक घटनाएं

सोमवार शिव जी को समर्पित दिन माना जाता है। अगर इस दिन आपके काम आसानी से बनने लगें या मन में अलग ही शांति महसूस हो, तो इसे शिव कृपा का संकेत माना जाता है। जब जीवन में मुश्किलें हों लेकिन भीतर से एक भरोसा बना रहे कि "सब ठीक होगा", तो इसे भी शिव की ऊर्जा का साथ माना जाता है। शिव का अर्थ ही है, कल्याण।

इन बातों को रखें ध्यान में

ये संकेत आस्था और विश्वास से जुड़े होते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है सकारात्मक कर्म करें, सच्चाई और धैर्य अपनाएं, जरूरतमंदों की मदद करें क्योंकि माना जाता है कि भगवान शिव भक्ति से ज्यादा भाव और कर्म को महत्व देते हैं। सच्ची भक्ति का अर्थ है मन की पवित्रता और दूसरों के लिए करुणा।

नहीं खाते नॉनवेज और चाहते हो प्रोटीन, तो सफेद चावल में मिलाकर खाएं ये एक चीज

माना जाता है कि नॉन–वेज खाना शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व देता है, हालांकि शाकाहारी लोग भी कुछ खास खाना खाकर ये जरूरी पोषक तत्व पा सकते हैं। जैसे चावल के साथ सोया जंक भी एक बेहतरीन शाकाहारी विकल्प है। यह कॉम्बिनेशन खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो शाकाहारी हैं और मांसपेशियों की मजबूती या कमजोरी दूर करना चाहते है। यह मांसपेशियों को मजबूत करने और कमजोरी दूर करने में सहायक हो सकता है। चलिए जानते हैं इसके और भी फायदे

चावल. सोया चंक = पौष्टिक पावर कॉम्बो

साधारण सफेद चावल में कार्बोहाइड्रेट ज्यादा होता है, लेकिन प्रोटीन कम। वहीं सोया चंक (सोया बड़ी) में लगभग 50ः तक प्रोटीन पाया जाता है। जब दोनों को साथ खाया जाता है तो शरीर को एनर्जी भी मिलती है, पर्याप्त प्रोटीन भी मिलता है और संतुलित भोजन तैयार होता है। सोया चंक में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत और विकास में मदद करता है। जो लोग जिम जाते हैं या शारीरिक मेहनत ज्यादा करते हैं, उनके लिए यह एक किफायती और असरदार विकल्प है। बढ़ते बच्चों और किशोरों के लिए भी यह अच्छा प्रोटीन स्रोत हो सकता है।

शरीर की कमजोरी भी होती है दूर

अगर आपको अक्सर थकान, कमजोरी या सुस्ती महसूस होती है, तो डाइट में प्रोटीन की कमी हो सकती है। सोया चंक शरीर को लंबे समय तक तृप्त रखता है, एनर्जी लेवल बेहतर करता है और आयरन और कैल्शियम भी मिलता है। ध्यान रखें कि जिन लोगों को थायरॉइड या सोया से एलर्जी है, वे डॉक्टर से सलाह लें।। संतुलित मात्रा में ही सेवन करें (हफ्ते में 2–3 बार पर्याप्त है)।

सोया को डाइट में शामिल करने का तरीका

चावल में उबले और हल्के मसाले में पके सोया चंक मिलाकर पुलाव बनाएं। सोया चंक की खिचड़ी भी खा सकते हैं, ब्राउन राइस के साथ सोया करी भी बना सकते हैं । बच्चों के लिए बारीक काटकर वेज फ्राइड राइस में मिलाएं। चावल में सोया चंक मिलाकर खाना एक सस्ता, आसान और पौष्टिक तरीका है जिससे शरीर को पर्याप्त प्रोटीन मिलता है।

प्रोटीन से भरपूर हैं ये 5 दालें, आपको भी नहीं पता होगी दालों से जुड़ी रोचक बातें

कई लोगों को संभवतरू यह बात अचंभे में डाल सकती है लेकिन हर साल 10 फरवरी को संयुक्त राष्ट्र 'विश्व दाल दिवसश के तौर पर मनाता है। त्मेमंतबीमत फलियों पर अब ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिन्हें भुला दिया गया या जिनका बहुत कम उपयोग किया गया। यह खाद्य सुरक्षा की दिशा में अहम कदम है। सबसे पहले स्पष्टता के लिए बता दें कि कि 'फलियों और 'दालों का अलग–अलग अर्थ हैं। 'फलियां लेग्यूमिनोसी या फेबिका परिवार के पौधे हैं जबकि 'दालें लेग्यूम पौधे के सूखें हुए बीज हैं। इनमें बीन्स, दाल और चने शामिल हैं।

पोषण तत्वों के भंडार होती हैं दालें

दुनिया से भूख मिटाने में लेग्यूम पौधे सहायक होने का एक कारण है कि इन्हें उर्वरक भूमि या नाइट्रोजन खाद की जरूरत नहीं होती है। पौधों को अहम मॉल्यूकूल जैसे प्रोटीन या डीएनए बनाने के लिए नाइट्रोजन की आवश्यकता होती है। अधिकतर लेग्यूम प्रजाति के पौधें अपनी जरूरत का नाइट्रोजन वायुमंडल से लेकर कम पोषण युक्त जमीन में भी फल–फूल सकते हैं। यह प्रक्रिया पौधे और राइजोबिया नामक बैक्टीरिया के आपसी लाभप्रद (सिम्बायोटिक) संबंध पर आधारित होता है। राइजोबिया बैक्टीरिया को लेग्यूम पौधों की जड़ों में बने गांठ में आश्रय मिल जाता है और इसके बदले वे पौधे की नाइट्रोजन आवश्यक वायमुंडल से लेकर पूरी कर देते हैं। नाइट्रोजन को समाहित कर लेने की क्षमता से दालें पोषण तत्वों के भंडार होते हैं खासतौर पर इनमें प्रोटीन और फाइबर की उच्च मात्रा होती और वसा सीमित मात्रा में होती है। लेकिन लेग्यूम और दालों का यही एकमात्र रोचक पहलु नहीं है। विश्व दाल दिवस 2023 के उपलक्ष्य में दालों की पांच खास विशेषता और कहानियों का उल्लेख किया जा रहा है।

अफ्रीकन याम बीन रू उच्च प्रोटीन बीन और सतह से नीचे पैदा होन वाला कंद (ट्यूबर) है। अफ्रीकन याम बीन (स्पेनोस्टाइलिस स्टेनोकार्पा) दो तरह का भोजना बीन्स और भूमिगत कंद मुहैया कराता है। कंद में किसी अन्य गैर लेग्यूम कंद फसलों जैसे आलू और कसावा के मुकाबले अधिक प्रोटीन की मात्रा होती है और बीन्स (फलियां) भी प्रोटीन से भरपूर होती हैं। इनका पोषक गुण नाइजीरिया गृह युद्ध (वर्ष 1967 से 1970) के बीच साबित हुआ जब अफ्रीकन याम बीन को अमरंथस (चौराई साग का प्रकार या राजगीरा) , टेलफेरिया और कसावा के पत्तों के साथ पकाया जाता था और युद्ध प्रभावित इलाकों में कुपोषित लोगों को खिलाया जाता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसे पश्चिमी और मध्य अफ्रीकी देशों में कई बार मानव द्वारा घरेलू उपयोग (जंगली पौधे से कृषि तक)किया गया। आज इसे वाणिज्यिक के बजाय सुरक्षा और जीवननिर्वहन के लिए अधिक उगाया जाता है, लेकिन प्रोटीन की उच्च मात्रा और सूखे में भी इसके फलने–फूलने की क्षमता आकर्षित करती है।

कई दालें सूखें के प्रति प्रतिरोधी रहती हैं और पैदावार के लिए कम पानी का इस्तेमाल करती हैं साथ ही पशु स्रोत जैसे बीफ के मुकाबले प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। चना (सिसर एरिटिनम) को सूखा प्रतिरोधी होने के लिए जाना जाता है। अधिकतर चने की फसल उन इलाकों में होती हैं जहां पर कम बारिश होती है। जहां पर पानी की कमी होती है वहां पर चने की जंगली प्रजातियां प्रमुखता से उगती हैं। जंगली चने की प्रजातियां 40 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को सह सकती हैं और यह आधुनिक सूखा रोधी चने के लिए बेहतरीन अनुवांशिकी स्रोत हैं। हालांकि, इसके बावजूद पानी की कमी होने पर चने की फसल प्रभावित होती है। इसलिए वैज्ञानिक उन गुणों की खोज कर रहे हैं जिससे सूखे के दौरान चने की पैदावर कम हो सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा में योगदान कर सकता है।

कॉमन बीन (बाकला/राजमा) – यह कई प्रकार और वातावरण के अनुरूप विविधता वाली फसल है। कॉमन बीन (फेसियोलस वलगरिस) के कई प्रकार दुनिया भर में मिलते हैं। उदाहरण के लिए ब्लैक बीन्स, रेड किडनी बीन्स और पिंटो बीन्स जो अलग–अलग तरह दिखते हैं लेकिन एक ही प्रजाति की हैं। इनकी सबसे बड़ी खासियत है कि लेग्यूम प्रजाति के अन्य पौधों के मुकाबले ये राइजोबियल की कहीं अधिक प्रजातियों को आश्रय देती हैं। इससे से संभवतरू कॉमन बीन्स को अपने मूल स्थान से परे भी दुनिया के विभिन्न वातावरण में फलने–फूलने का मौका मिला। यह विभिन्न वातावरण में भी नाइट्रोजन की जरूरत को पूरी कर लेते हैं जिससे यह लेग्यूम की सबसे लचीली प्रजातियों में से एक है।

मटर– अनुवांशिकी में शुरुआती समझ हासिल करने में इसकी भूमिका है। मटर (पिसम सैटिवम) दुनिया की सबसे प्राचीन फसलों में से एक है जिसकी कृषि मानव ने शुरू की। इसने अनुवांशिकी की समझ में मदद की और इसके लिए ग्रेगॉर मेंडल के मटर के पौधे पर किए गए प्रयोग को श्रेय जाता हैं मटर की अनुवांशिकी विविधता भी फसलों की जानकारी हासिल करने का अहम स्रोत है जो जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न मौसमी परिस्थितियों में भी जीवित रहता है।

लुपिंस

पोषक तत्वों की तलाश करते जड़ों के झुरमुट सफेद लुपिन (लुपिंस एल्बस), पीले लुपिन (लुपिंस लुटियस), पर्ल लुपिन (लुपिंस मटाबिलिस) बिना अतिरिक्त उर्वरक की जरूरतों के पोषक तत्व प्राप्त करने के लिए विशेष जड़ों का विकास कर सकते हैं। पौधों को नाइट्रोजन ही नहीं बल्कि फॉस्फोरस की भी जरूरत होती है। आमतौर पर पौधों में उत्पादन बढ़ाने के लिए उर्वरक का छिड़काव किया जाता है। फोसफेट उर्वरक का निर्माण फॉस्फोरस की चट्टानों से किया जाता है और यह गैर नवीनीकरण स्रोत से प्राप्त होता है जो तेजी से कृषि इस्तेमाल के लिए कम हो रहा है। सफेद, पीले और पर्ल लुपिन के जड़ों में विशेष बदलाव हुआ है जिन्हें क्लस्टर रूट कहते हैं और पोषक तत्व की कमी होने पर मृदा में मौजूद फॉस्फोरस के कणों को सोखने में सक्षम है। ये जड़े 'बॉटलब्रशश के आकार की होती हैं और फॉस्फोरस की कमी होने पर यह विकसित होती हैं।

खाद्य सुरक्षा

खाद्य सुरक्षा के लिए दालों पर हमे ध्यान देना चाहिए और यह 10 फरवरी तक सीमित नहीं होना चाहिए। पांच दालें जिन्हें यहां पेश किया है वे स्थायी प्रोटीन स्रोत की जरूरत को पूरा कर सकती हैं और हमारी खाद्य प्रणाली में और विविधता ला सकती हैं। ये भविष्य में भी बेहतर खाद्य सुरक्षा में योगदान दे सकती हैं।

टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर: जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया

कोलंबो,एजेंसी। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने इस संस्करण के 19वें मुकाबले में 2021 की टी20 विश्वकप चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19. 3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना–सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है। सिकंदर रजा की टीम का टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं।

साथ ही ग्रुप–बी में भी सुपर–8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया पर सुपर–8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप–बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। आयरलैंड और ओमान का खाता नहीं खुला है और टीम क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को अब मनाना है कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका एक–एक मैच हारे और कंगारू अपने बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतें।

जिम्बाब्वे को पहला झटका आठवें ओवर में 61 के स्कोर पर लगा। मार्कस स्टोइनिस ने तादिवानाशे मरुमानी को जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 21 गेंद में सात चौके की मदद से 35 रन बनाए। जिम्बाब्वे को दूसरा झटका रेयान बर्ल के रूप में लगा। वह 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर

आउट हुए। बर्ल ने 30 गेंद में चार चौके की मदद से 35 रन बनाए। बर्ल को कैमरन ग्रीन ने पवेलियन भेजा। ब्रायन बेनेट 56 गेंद में सात चौके की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, कप्तान सिकंदर रजा ने भी 13 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 25 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 24 गेंद में नाबाद 38 रन की साझेदारी की।

जोश इंग्लिस आठ रन बनाकर आउट हुए, जबकि कैमरन ग्रीन और टिम डेविड खाता नहीं खोल सके। ब्लेसिंग मुजरबानी ने इंग्लिस और डेविड को आउट किया। वहीं, ब्रैड इवेंस ने ग्रीन को पवेलियन भेजा। कप्तान ट्रेविस हेड को ब्रैड इवेंस ने बोल्ड किया। वह 15 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया ने 29 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल ने मैट रेनशॉ के साथ पांचवें विकेट के लिए 59 गेंद में 77 रन की साझेदारी निभाई। मैक्सवेल 32 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 31 रन बना सके। मैक्सवेल को बर्ल ने बोल्ड किया। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस मसाकादजा का शिकार बने। वह चार गें में छह रन बना सके। बेन ड्वारशुइस को ब्रैड इवांस ने कैच आउट कराया। बाउंड्री लाइन पर टोनी ने क्या गजब का कैच लपका। उन्होंने हवा में डाइव लगाकर कैच लपका। ड्वारशुइस छह रन बना सके।

इसके बाद मुजरबानी ने मैट रेनशॉ को बर्ल के हाथों कैच कराया। वह 44 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुए। मुजरबानी ने इसके बाद एडम जैम्पा को क्लीन बोल्ड किया। वह दो रन बना सके। कुहनेमैन के रन आउट होते ही जिम्बाब्वे ने इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे की ओर से मुजरबानी ने चार और इवांस ने तीन विकेट झटके। मसाकदजा और बर्ल को एक–एक विकेट मिला।

मिचेल मार्श अब तक फिट नहीं हो सके हैं और वह नहीं खेल रहे थे। उनकी जगह ट्रेविस हेड ही ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाल रहे थे। दोनों टीमों ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में आयरलैंड को 67 रनों से हराया था। वहीं जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से मात दी थी। ऐसे में यह मुकाबला ग्रुप बी में शीर्ष स्थान के लिए अहम साबित हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया– ट्रेविस हेड (कप्तान), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, मैट रेनशॉ, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, एडम जैम्पा, मैथ्यू कुहनेमन।

जिम्बाब्वे– ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मरुमानी (विकेटकीपर), डियोन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, टोनी मुन्योंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैड इवांस, वेलिंग्टन मसाकाद्जा, ग्राहेम क्रेमर, ब्लेसिंग मुजरबानी।

विश्वकप में चोट से जूझ रही टीमें, जिम्बाब्वे के टेलर और आयरलैंड के स्टर्लिंग टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। टी20 विश्वकप 2026 के बीच जिम्बाब्वे को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी बल्लेबाज ब्रैंडन टेलर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बेन करन को टीम में शामिल करने को इवेंट टेक्निकल कमेटी ने मंजूरी दे दी है। टेलर को नौ फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच के दौरान दाहिने पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। बल्लेबाजी करते समय वह असहज दिखे और 31 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। पवेलियन लौटते वक्त उन्हें लंगड़ाते हुए भी देखा गया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से पहले कप्तान सिकंदर ने बदलाव की पुष्टि करते हुए कहा, ब्रेंडन टेलर को चोट लगी है और वह अब इस प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में टोनी मुन्योंगा को टीम में मौका मिला और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई। टेलर शानदार लय में चल रहे थे। ओमान के खिलाफ उन्होंने मुश्किल समय में पारी संभाली और ब्रायन बेनेट के साथ 68 रन की अहम साझेदारी की। 2007 से टीम के साथ जुड़े इस दिग्गज ने जिम्बाब्वे के लिए 59 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1200 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और कई अर्धशतक शामिल हैं। 2025 में वापसी के बाद से भी वह लगातार रन बना रहे थे। जिम्बाब्वे के बाद आयरलैंड को भी बड़ा झटका लगा है।

टीम के कप्तान पॉल स्टर्लिंग घुटने की लिगामेंट चोट के कारण बाकी टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा बल्लेबाज उ ज्वचचपदह को तुरंत प्रभाव से टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने बयान में कहा, पॉल स्टर्लिंग की जांच और स्कैन में लिगामेंट डैमेज सामने आया है, इसलिए वह टी20 विश्वकप के बाकी मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वह जल्द ही घर लौटेंगे, जहां आराम और रिहैब किया जाएगा।

संक्षिप्त

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 1048 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे

नई दिल्ली,एजेंसी। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1048.16 अंक या 1.25 प्रतिशत गिरकर 82,626.76 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 336.10 अंक या 1.30 प्रतिशत गिरकर 25,471.10 पर बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि बाजार एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जिससे निवेशकों में कुछ घबराहट पैदा होगी, हालांकि साथ ही अवसर भी मिलेंगे। अमेरिकी बाजारों में एआई शेयरों में बिकवाली की उम्मीद थी, लेकिन बिकवाली का समय और सीमा अज्ञात थी। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार के लिए एआई शेयरों में यह गिरावट सकारात्मक है, क्योंकि पिछले साल की वैश्विक तेजी मुख्य रूप से एआई से संबंधित व्यापार पर आधारित थी, जिसमें भारत, जो एआई के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ देश है, भाग नहीं ले सका। इसलिए, यदि एआई व्यापार में गिरावट जारी रहती है, तो यह भारतीय दृष्टिकोण से सकारात्मक है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय बाजार को इस समय जो बात हिला रही है, वह आईटी शेयरों में भारी बिकवाली है, जो भारत की कंपनियों के मुनाफे का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। आईटी क्षेत्र पर श्मानवजनित संकटश का वास्तविक प्रभाव अभी तक पता नहीं चल पाया है।

महंगाई के नए आंकड़ों के बाद भी आरबीआई ब्याज दरों में नहीं करेगा बदलाव? जानें रिपोर्ट का दावा

नई दिल्ली,एजेंसी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार वर्ष में बदलाव का मौद्रिक नीति पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) आने वाले महीनों में ब्याज दरों में बदलाव करने के बजाय उन्हें फिलहाल स्थिर रख सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, नए आधार वर्ष 2023–24 के हिसाब से जनवरी 2026 में महंगाई दर 2.75 प्रतिशत रही, जो अनुमान के मुताबिक है। वहीं, कोर महंगाई (जिसमें खाद्य और ईंधन जैसे उतार–चढ़ाव वाले आइटम कम शामिल होते हैं) घटकर 3.46 प्रतिशत पर

आ गई, जो पुराने अनुमान से बेहतर स्थिति दिखाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आधार वर्ष बदलने से आंकड़ों की गणना का तरीका अधिक सटीक और व्यापक हुआ है, लेकिन इससे आरबीआई की नीतिगत सोच में तुरंत कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति सिर्फ सालाना महंगाई के आंकड़े नहीं, बल्कि महंगाई की असली रफ्तार और आगे का ट्रेंड ज्यादा ध्यान से देखेगी। नए आधार वर्ष के तहत आंकड़ों के मुताबिक, कोर सीपीआई में गिरावट मुख्य रूप से गोल्ड सीपीआई का भार 1. 1 प्रतिशत से घटकर 0.62 प्रतिशत होने के कारण आई। वहीं, सोने को छोड़कर कोर महंगाई 2.91 प्रतिशत तक बढ़ी, जिससे संकेत मिलता है कि अंतर्निहित महंगाई रुझान अभी भी कमजोर बने हुए हैं। इस बीच, खाद्य महंगाई भी थोड़ी बढ़कर 2.11 प्रतिशत पर पहुंच गई है। नए आधार वर्ष में खाने–पीने की चीजों का वजन पहले के लगभग 46 प्रतिशत से घटाकर करीब 40 प्रतिशत कर दिया गया है और ज्यादा बाजारों, शहरों और वस्तुओं को शामिल किया गया है, जिससे डेटा अधिक व्यापक हो गया है। रिपोर्ट का कुल निष्कर्ष यह है कि आधार वर्ष बदलने के बावजूद आरबीआई जल्दबाजी में ब्याज दरों में बदलाव नहीं करेगा। आने वाली तिमाहियों में उसका फोकस महंगाई के रुझान और बाजार में तरलता (लिक्विडिटी) को संभालने पर रहेगा, इसलिए दरें फिलहाल यथावत रहने की संभावना है।

दुनिया में पांच स्थान सुधरकर 75वें नंबर पर, सिंगापुर सबसे ऊपर

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय पासपोर्ट की ताकत में इजाफा हुआ है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की फरवरी 2026 की ताजा रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट ने लंबी छलांग लगाई है और यह दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की सूची में 75वें स्थान पर पहुंच गया है। साल 2026 की शुरुआत में भारतीय पासपोर्ट 80वें स्थान पर था। अब इसमें 5 पायदान का सुधार हुआ है और यह 75वें नंबर पर आ गया है। यह रैंकिंग इस आधार पर तय होती है कि किसी देश के पासपोर्ट धारक को कितने देशों में बिना वीजा या वीजा ऑन अराइवल के यात्रा करने की छूट है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय पासपोर्ट की स्थिति धीरे–धीरे मजबूत हुई है। एक समय में इस रैंकिंग पर राज करने वाले अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देश अब नीचे खिसक गए हैं। अमेरिका अब 10वें स्थान पर पहुंच गया है। अमेरिकी नागरिकों को अब सिंगापुर के मुकाबले 37 कम देशों में आसान आसान प्रवेश मिलता है। वहीं, ब्रिटेन सातवें नंबर पर है। भले ही पिछले साल के मुकाबले स्थिति सुधरी है, लेकिन भारत अब भी अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन से पीछे है। साल 2006 में भारतीय पासपोर्ट 71वें स्थान पर था, जो अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग थी। अभी भी कई ऐसे देश हैं जिनके मुकाबले भारतीयों को कम देशों में वीजा–फ्री एंट्री मिलती है।

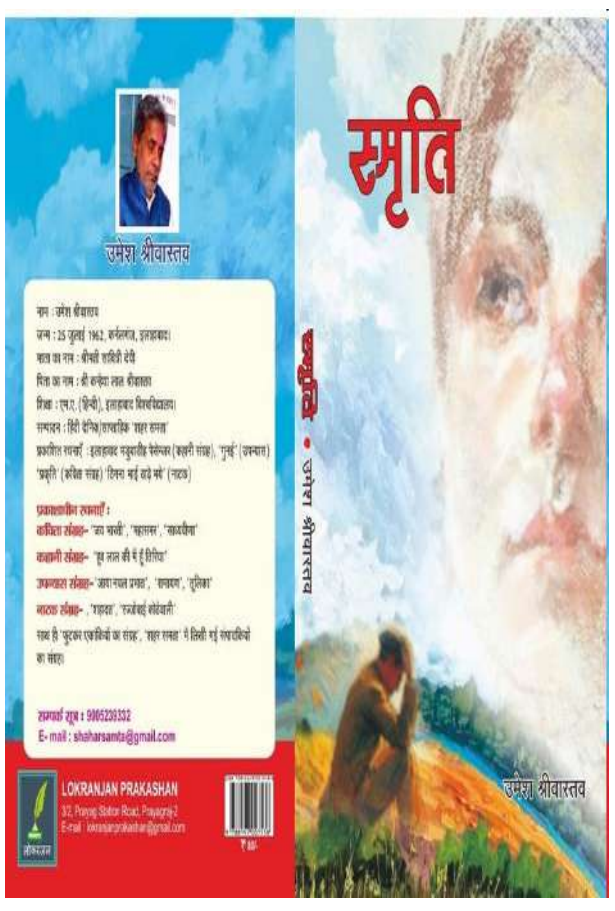

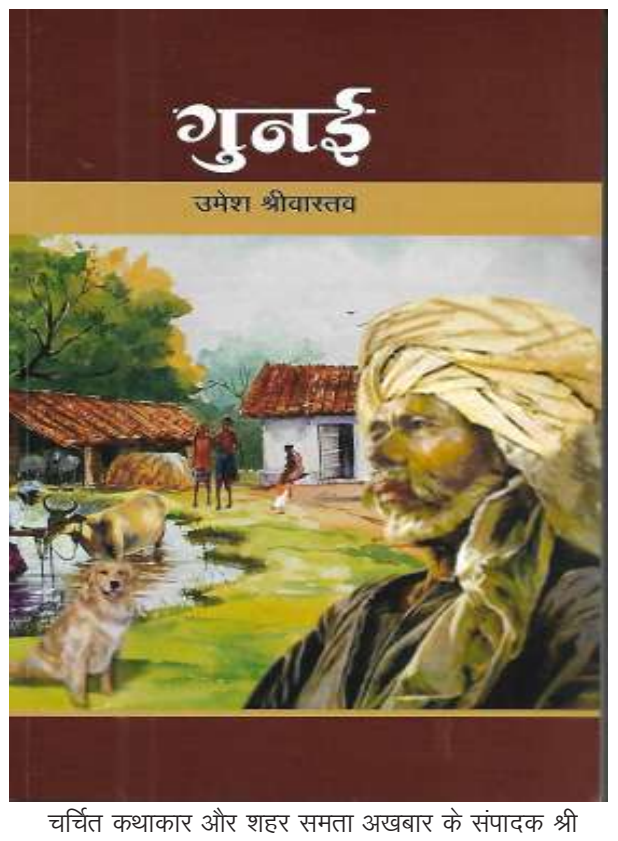

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

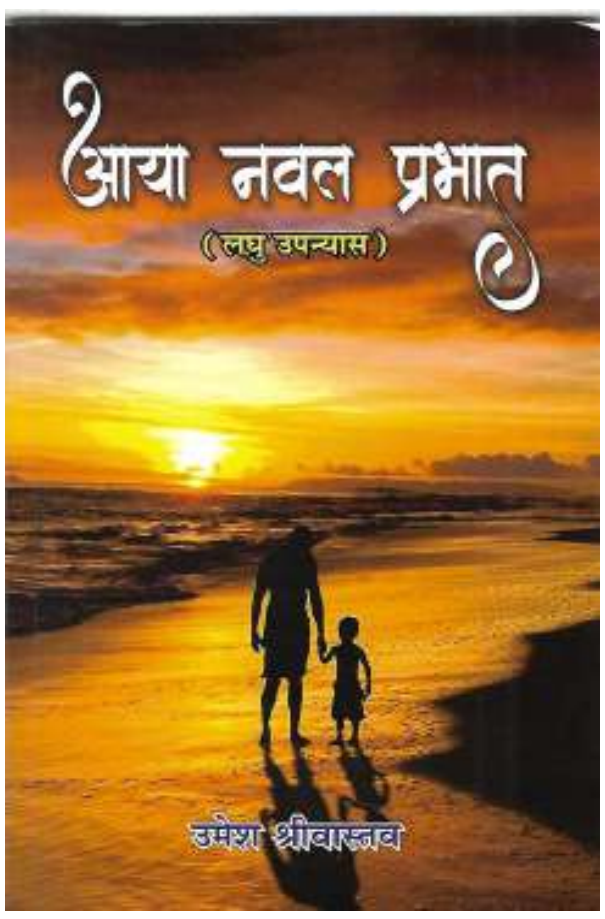

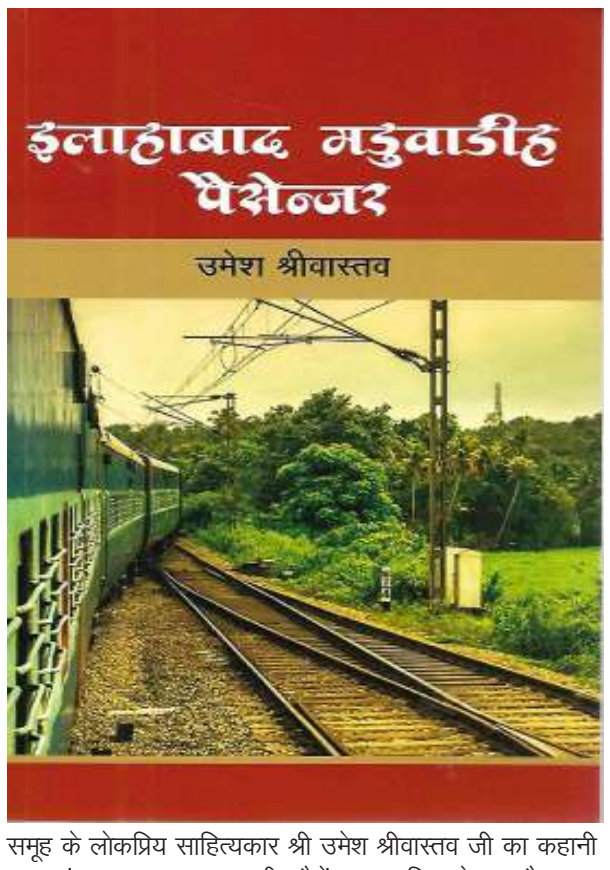

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

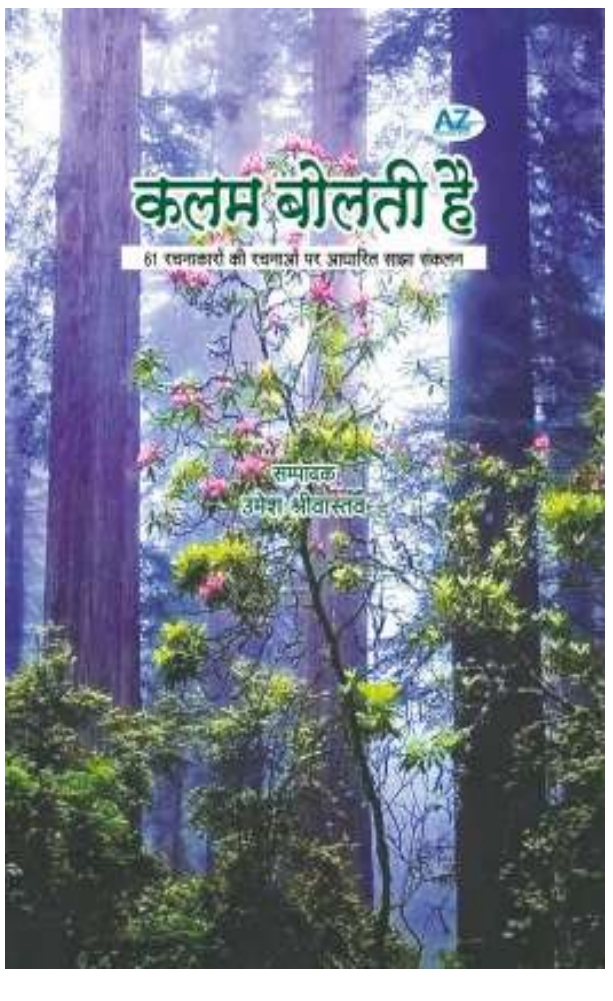

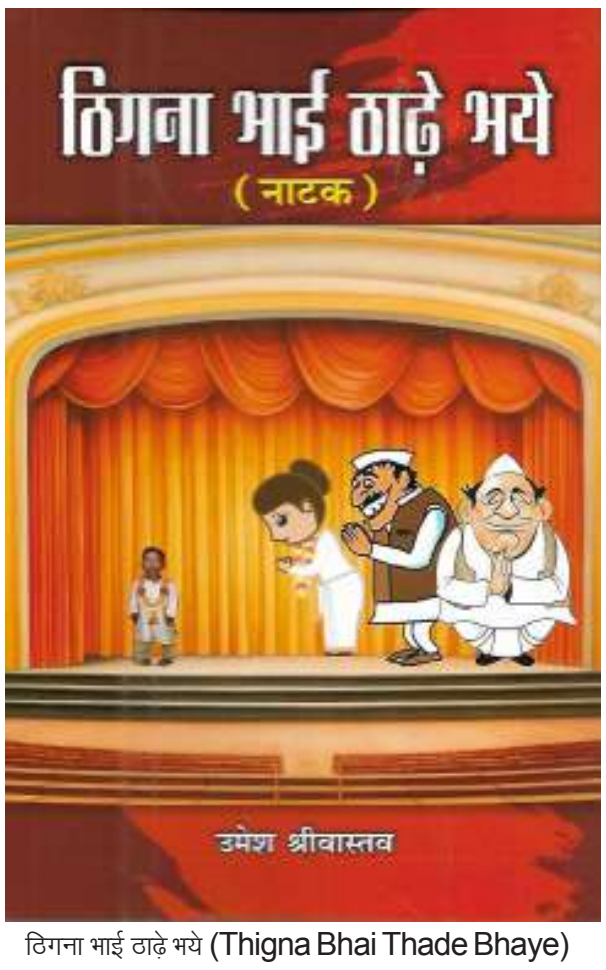

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

डार्क प्रिंस तारिक रहमान का राजनीतिक सफर और परिवार की कहानी

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश के 2026 के आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ऐतिहासिक जीत में तारिक रहमान की रणनीतिक और करिश्माई भूमिका ने केंद्रबिंदु की तरह काम किया। लंबे निर्वासन और राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने पार्टी को एकजुट किया, युवा मतदाताओं को आकर्षित किया और जनसमर्थन की नई लहर खड़ी की। यह जीत सिर्फ बीएनपी की नहीं, बल्कि तारिक रहमान की नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक दृष्टि का प्रतीक बनकर उभरी है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि बांग्लादेश की राजनीति दशकों से दो मुख्य पारिवारिक. राजनीतिक धारणाओं के बीच घूमती रही है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत खालिदा जिया की विरासत के बीच। ऐसे में 2026 के चुनावों में बीएनपी की जीत और तारिक रहमान की उभरती भूमिका यह संकेत देती है कि अब देश का नेतृत्व एक नए राजनीतिक दौर में प्रवेश कर सकता है। 20 नवंबर 1965 को जन्मे तारिक रहमान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के चेयरमैन हैं। वह पार्टी की सर्वोच्च राजनीतिक इकाई का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने ढाका यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना शुरू किया। वे बांग्लादेश के इतिहास में एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता जिया उर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति और स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिनकी 1981 में हत्या हो गई थी। उनकी मां बेगम खालिदा जिया 1991 से 1996 व 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं और बीएनपी की प्रमुख चेयरपर्सन थीं। अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों से ही तारिक अपने परिवार की राजनीति में शामिल रहे हैं और बीएनपी के भीतर स्थायी भूमिका निभाई है। तारिक रहमान, जिन्हें बांग्लादेश की राजनीति में अक्सर तारिक जिया कहा जाता है, अपने परिवार के नाम से ही पहचान रखते हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान वे केवल चार साल के थे और कुछ समय के लिए हिरासत में भी रहे। इसी वजह से उनकी पार्टी बीएनपी उन्हें युद्ध के सबसे कम उम्र के बंदियों में शामिल बताकर सम्मान देती है। उनकी राजनीतिक पहचान भी इसी पारिवारिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़ी है। छोटे उम्र में संघर्ष और परिवार की विरासत ने उन्हें बांग्लादेश की राजनीति का एक प्रमुख चेहरा बना दिया। तारिक रहमान की मां और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने 3 जनवरी 1982 को पहली बार बीएनपी के सदस्य के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। बाद में वे बीएनसपी की अध्यक्ष बनीं और अपनी मौत तक वह इस पद पर रहीं। बांग्लादेश में सैन्य शासन के खिलाफ खालिदा जिया एक प्रमुख आवाज बनकर उभरीं। लोगों को सैन्य शासन के खिलाफ एकजुट करने में खालिदा जिया ने अहम भूमिका निभाई। खालिदा जिया साल 1991 में पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। इसके साथ ही बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का गौरव भी हासिल किया। इसके बाद साल 2001 से 2006 तक दूसरी बार भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। बताते चले कि खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1946 को अविभाजित भारत के दिनाजपुर जिले में हुआ। उनकी माता का नाम तैयबा और पिता का नाम इसकंदर मजूमदार था।

खालिदा का परिवार जलपाईगुड़ी में चाय का व्यापार करता था और वहां से पलायन करके दिनाजपुर पहुंचा था। साल 1960 में खालिदा जिया की शादी आर्मी कैप्टन जिया उर रहमान के साथ हुई, जो बाद में बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने। साल 1983 में जब खालिदा बीएनपी चीफ बनीं तो उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने खालिदा की काबिलियत पर शक जताते हुए पार्टी छोड़ दी। अब तारिक रहमान के पिता के बारे में जानते हैं। तारिक रहमान के पिता जिया उर रहमान ने बांग्लादेश के एक प्रमुख राजनीतिक और सैन्य नेता थे। वे 19 जनवरी 1936 को बोगरा जिले में जन्मे थे और साल 1981 में उनकी हत्या कर दी गई। जिया उर रहमान ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता संग्राम 1971 में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र देश घोषित किया था। स्वतंत्रता के बाद जिया उर रहमान बांग्लादेश की सेना में तेजी से उभरे और 1975 में हुए सैन्य संघर्ष और राजनीतिक संकट के दौरान उन्होंने सत्ता संभाली। 1977 में उन्हें बांग्लादेश का राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में देश ने कई राजनीतिक और आर्थिक सुधारों का अनुभव किया। जिया उर रहमान ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्थापना की, जो आज भी देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में से एक है और इस बार के चुनाव में तारिक रहमान के अगुवाई में पार्टी ने प्रंचड बहुमत हासिल किया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि जिया उर रहमान की नीतियों और राजनीतिक दृष्टिकोण ने बांग्लादेश की राजनीति में स्थिरता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दिया। ऐसे में जिया उर रहमान की राजनीतिक विरासत उनके बेटे तारिक रहमान और बीएनपी के माध्यम से आज भी जारी है। उनके नेतृत्व ने बांग्लादेश की राजनीति में सेना और लोकतांत्रिक संस्थानों के बीच संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब बात करते है कि जिया उर रहमान की हत्या कैसे हुई। इस हत्याकांड को समझने के लिए हमें 1981 के दौरे में जाना पड़ेगा। दिन था 30 मई 1981 का। जब जिया उर रहमान चटगांव की यात्रा पर गए थे। वे उस समय देश के राष्ट्रपति थे और सेना प्रमुख के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उनकी हत्या एक सैन्य विद्रोह के दौरान हुई, जिसे श्चटगांव विद्रोहश भी कहा जाता है। बताया जाता है कि कुछ असंतुष्ट सैनिकों ने जिया उर रहमान की सुरक्षा में सेंध लगाई और उन्हें गोली मार दी। इस घटना के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक संकट पैदा हो गया और सेना और सरकार के बीच अस्थिरता फैल गई। उनकी हत्या के पीछे राजनीतिक विरोध और सत्ता संघर्ष को प्रमुख कारण माना जाता है। कई स्रोतों के अनुसार, इस विद्रोह में शामिल सैनिक जिया उर रहमान की नीतियों और उनके नेतृत्व से असंतुष्ट थे। उनकी हत्या के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति पद खाली हो गया और बांग्लादेश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई। जुबैदा रहमान तारिक रहमान की पत्नी हैं और पेशे से चिकित्सक। वे अपने पति के राजनीतिक जीवन में समर्थक और साथ देने वाली भूमिका निभाती रही हैं। चुनावी अभियानों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में अक्सर उनके साथ नजर आती हैं। निजी जीवन में परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों में सक्रिय रहते हुए वे बीएनपी के भीतर तारिक की छवि को मजबूत करती हैं। अब बात अगर तारिक रहमान की बेटी के बारे में करें तो जाइमा रहमान तारिक रहमान की बेटी हैं।

संक्षिप्त

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम 47 फीसदी अधिक

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका में रोजमर्रा की डाइट का बड़ा हिस्सा बन चुके अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड्स अब सीधे तौर पर दिल की बीमारियों से जुड़े पाए गए हैं। फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर पाया है कि जो वयस्क सबसे ज्यादा अल्ट्रा–प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खाते हैं, उनमें हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा 47प्रतिशत तक अधिक है। उम्र, धूम्रपान और आय जैसे कारकों को समायोजित करने के बाद भी यह जोखिम बना रहा। अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे औद्योगिक उत्पाद होते हैं जिनमें अतिरिक्त वसा, चीनी, स्टार्च, नमक और इमल्सीफायर जैसे रासायनिक एडिटिव्स मिलाए जाते हैं। सोडा, पैकेज्ड स्नैक्स और प्रोसेस्ड मीट इसके आम उदाहरण हैं। निर्माण के दौरान इनमें कई प्राकृतिक पोषक तत्व हटा दिए जाते हैं, जिससे ये अपने मूल स्वरूप से काफी अलग हो जाते हैं। इनमें ऐसे तत्व भी शामिल होते हैं जिनका मानव शरीर को ऐतिहासिक रूप से अनुभव नहीं रहा है। आज स्थिति यह है कि अमेरिका में औसतन वयस्कों की लगभग 60: कैलोरी और बच्चों की करीब 70: कैलोरी अल्ट्रा–प्रोसेस्ड भोजन से आती है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के तमाम देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ती जा रही है। पिछले अध्ययनों में यह दिखाया जा चुका है कि ज्यादा अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड खाने वालों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है, जिसमें मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर और इंसुलिन रेजिस्टेंस शामिल हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड से जुड़े स्वास्थ्य खतरों की पहचान उसी तरह समय ले सकती है, जैसे पिछली सदी में तंबाकू के नुकसान समझने में लगा था। इसका एक कारण बड़े बहुराष्ट्रीय खाद्य निगमों का प्रभाव भी है, जो वैश्विक फूड मार्केट पर हावी हैं। साथ ही, कई समुदायों में स्वस्थ भोजन तक सीमित पहुंच भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है।हेनेकन्स के अनुसार, अल्ट्रा– प्रोसेस्ड फूड से निपटना सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है। यह ऐसे वातावरण बनाने की बात है जहां स्वस्थ विकल्प सबसे आसान विकल्प हों।

डील नहीं तो भुगतने होंगे दर्दनाक नतीजे, अप्रैल में करेंगे चीन का दौरा

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक साथ दो बड़े अंतरराष्ट्रीय संकेत दिए हैं। एक तरफ उन्होंने ईरान को परमाणु समझौते पर चेतावनी दी है, तो दूसरी ओर चीन के साथ रिश्तों को मजबूत बताया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता जरूरी है, वरना हालात बहुत खराब हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री के साथ अपनी हालिया बैठक को सकारात्मक बताया और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली मुलाकात की भी जानकारी दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ समझौता करना चाहता है, ताकि टकराव की स्थिति न बने। उन्होंने साफ कहा कि अगर डील नहीं हुई तो हालात बहुत दर्दनाक हो सकते हैं। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि वह तनाव नहीं चाहते, लेकिन बिना समझौते के स्थिति अलग दिशा में जा सकती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

शक्तिशाली भारत, चीन का मुकाबला करने के लिए बेहद जरूरी, अमेरिका के शीर्ष अधिकारी का बड़ा बयान

वॉशिंगटन,एजेंसी। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक सचिव पॉल कपूर ने भारत की भूमिका पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चीन के खिलाफ अमेरिका की कोशिशों में भारत एक बेहद जरूरी साथी है। कपूर के अनुसार, एक ताकतवर भारत न केवल चीन को हिंद–प्रशांत क्षेत्र से बाहर रखता है, बल्कि किसी भी बड़े देश को इस इलाके पर कब्जा करने या दबाव बनाने से भी रोकता है। उन्होंने यह बातें बुधवार को दक्षिण और मध्य एशिया पर बनी एक सब–कमेटी की बैठक में कहीं। इस बैठक का मकसद इलाके में अमेरिका की विदेश नीति की जांच करना था। जब उनसे पूछा गया कि भारत इंडो–पैसिफिक इलाके में तेजी से आक्रामक होते चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिकी कोशिशों में कैसे मदद करेगा। इस पर उन्होंने कहा कि भारत का आजाद रहना, अपने पैरों पर खड़ा होना और अपने काम करने की आजादी को बनाए रखना, अमेरिका के रणनीतिक फायदे के लिए है। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका का मकसद चीन को पूरी तरह बाहर निकालना नहीं, बल्कि उसे मनमानी करने से रोकना है।

कपूर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को आर्थिक और सैन्य रूप से मजबूत होना चाहिए। इससे चीन पर भारत की निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि एक आजाद और खुशहाल भारत हिंद–प्रशांत क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा चीन के प्रभाव से बचा लेगा, जो अमेरिका के लिए एक बड़ी जीत होगी। हालांकि, कैलिफोर्निया की प्रतिनिधि कामलागर–डोव ने ट्रंप सरकार के कुछ फैसलों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत पर भारी टैक्स लगाने और बैठकों में देरी करने से दोनों देशों के बीच भरोसे को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कदमों से हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की स्थिति कमजोर हुई है।

इन आलोचनाओं के बीच कपूर ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। दोनों देश रक्षा तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच व्यापार को लेकर एक अहम सहमति बनी है। इस समझौते के तहत भारत अमेरिकी सामानों पर टैक्स कम करेगा। इसमें खेती से जुड़े उत्पाद जैसे सूखे मेवे, ताजे फल, सोयाबीन तेल, वाइन और जानवरों का चारा शामिल है। बदले में अमेरिका कुछ खास भारतीय सामानों पर 18 प्रतिशत टैक्स लगाएगा। इसमें कपड़े, चमड़ा, जूते, प्लास्टिक, रबर और मशीनरी जैसी चीजें शामिल हैं। जब यह समझौता पूरी तरह लागू हो जाएगा, तब दवाओं, जेम्स–ज्वेलरी और हवाई जहाज के पुर्जों पर से अमेरिकी टैक्स हटा लिए जाएंगे। कपूर ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों की खुशहाली बढ़ेगी और भारत को अपनी सीमाओं की रक्षा करने में मदद मिलेगी।

मिलकर काम करने के लिए उत्सुक, बांग्लादेश में बीएनपी की जीत पर पाकिस्तान पीएम का बयान

इस्लामाबाद,एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को प्रचंड बहुमत मिला है। 300 सीटों में 200 से ज्यादा सीटें जीतकर बीएनपी सत्ता में आ रही है। ऐसे में तारिक रहमान प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। इस बीच भारत के बाद अब पाकिस्तान ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। पाकिस्तान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने शुक्रवार को बीएनपी और पार्टी नेता तारिक रहमान को संसदीय चुनावों में भारी बहुमत हासिल करने पर बधाई दी। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने एक बयान में बांग्लादेश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के लिए इस्लामाबाद के समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान व्यापार, रक्षा, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और क्षेत्रीय मंचों में सहयोग को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ढाका में नया राजनीतिक वातावरण पूरे क्षेत्र में अधिक संतुलित, स्वतंत्र और पारस्परिक रूप से सम्मानजनक जुड़ाव में योगदान देगा। इसी के साथ बांग्लादेश की निरंतर स्थिरता, प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी बीएनपी को शानदार जीत दिलाने पर तारिक रहमान को बधाई भी दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, श्बांग्लादेश में संसदीय चुनावों में बीएनपी को शानदार जीत दिलाने के लिए मैं तारिक रहमान को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं चुनावों के सफल संचालन के लिए बांग्लादेश की जनता को भी बधाई देता हूं। पाकिस्तान के पीएम ने आगे कहा कि वह बांग्लादेश के नए नेतृत्व के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं ताकि ऐतिहासिक, भाईचारे वाले बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके और दक्षिण एशिया और उससे परे शांति, स्थिरता और विकास के हमारे साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सके। बता दें कि साल 2024 में युवा नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी। इसी के साथ चुनाव में हसीना की पार्टी अवामी लीग नहीं उतरी थी। ऐसे में चुनाव में बीएनपी और उसके पूर्व सहयोगी जमात–ए–इस्लामी के बीच सीधी टक्कर देखी जा रही थी। बीएनपी पिछली बार 2001 से 2006 के बीच सत्ता में थी, जब जमात उसकी महत्वपूर्ण सहयोगी पार्टी थी और उसके दो नेता मंत्री के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले बीएनपी ने घोषणा की थी कि अगर वह चुनाव जीतती है, तो उसके अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। ऐसे में तारिक रहमान 35 वर्षों में बांग्लादेश के पहले पुरुष प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका की बड़ी तैयारी

वॉशिंगटन,एजेंसी। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत को मध्य पूर्व भेजने का आदेश दिया है। वहां पहले से ही एक युद्धपोत मौजूद है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई और अमेरिकी रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक नए फैसले ने दोनों देशों के बीच इस कड़वाहट को और ज्यादा बढ़ा दिया है। दरअसल ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत श्यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को कैरेबियन सागर से हटाकर मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) भेजने का आदेश दिया है। यह मिडिल ईस्ट में तैनात होने वाला अमेरिका का दूसरा बड़ा विमानवाहक पोत होगा। इस इलाके में यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत पहले से ही अपनी मौजूदगी बनाए हुए है। इस खबर को सबसे पहले द न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट किया था। ट्रंप के इस फैसले के बाद अब मध्य पूर्व के इलाके में अमेरिका के दो बड़े विमानवाहक पोत और उनके साथ चलने वाले वॉरशिप इस इलाके में पहुंच जाएंगे। ट्रंप प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाना चाहता है।

60 लाख ग्राहकों के बैंक–पासपोर्ट का डाटा चोरी, मामले की जांच शुरू

एम्सटर्डैम,एजेंसी। नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी ओडिडो पर साइबर हमलावरों ने बड़ा हमला बोल दिया है। कंपनी ने खुद माना कि हैकर्स ने उसके सिस्टम में घुसकर 60 लाख से ज्यादा ग्राहकों का निजी डेटा चुरा लिया। यह डेटा बहुत संवेदनशील है। इसमें लोगों के बैंक खाते की जानकारी और पासपोर्ट नंबर जैसी चीजें शामिल हैं। यह नीदरलैंड में अब तक का सबसे बड़ा डेटा लीक मामला बन गया है। कंपनी ने ग्राहकों को चेतावनी भेजी है और जांच शुरू कर दी है।

ओडिडो ने सात फरवरी को संदेह होने पर जांच शुरू की। कंपनी ने अपने अंदरूनी विशेषज्ञों और बाहर के एक्सपर्ट्स की मदद ली। जांच में पता चला कि हैकर्स ने कंपनी के उस सिस्टम पर हमला किया जिससे ग्राहकों से संपर्क किया जाता है। कंपनी ने तुरंत अनधिकृत पहुंच रोक दी। अब कंपनी का कहना है कि फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करना पूरी तरह सुरक्षित है। प्रभावित ग्राहकों को ईमेल भेजकर सूचित किया गया है कि उनका डेटा प्रभावित हो सकता है। ओडिडो ने इस घटना की सूचना नीदरलैंड की प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन संस्था एपी को दे दी है। कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जांच कर रही है और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठा रही है। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और कोई संदिग्ध ईमेल या मैसेज पर ध्यान न दें। ओडिडो ने यह भी बताया कि हमले के बाद सिस्टम को सुरक्षित कर लिया गया है। ओडिडो पहले टी–मोबाइल का डच बिजनेस था। 2021 में इसे प्राइवेट इक्विटी फर्म्स अपैक्स और वॉरबर्ग पिंकस ने खरीद लिया था। कंपनी नीदरलैंड में करीब 80 लाख ग्राहकों को सेवा देती है। वहां के बाजार में यह केपीएन और वोडाफोनजिग्गो जैसी बड़ी कंपनियों से मुकाबला करती है। यह हमला कंपनी की छवि पर बड़ा असर डाल सकता है। यह हमला दिखाता है कि साइबर खतरा कितना बड़ा है। ग्राहकों को अपने बैंक खातों पर नजर रखनी चाहिए। पासवर्ड बदलने चाहिए और दो–कारक प्रमाणीकरण चालू करना चाहिए। कंपनी ने कहा है कि वह प्रभावित लोगों की मदद के लिए कदम उठा रही है।

चिनाब के पानी को लेकर तरस रहा पाकिस्तान!

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान ने चिनाब नदी पर प्रस्तावित सावलकोट जलविद्युत परियोजना के संबंध में भारत को एक और पत्र भेजकर विस्तृत जानकारी और परामर्श की मांग की है। यह कदम सिंधु जल संधि 1960 के प्रावधानों के तहत उठाया गया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि यह मुद्दा पहले भी दोनों देशों के सिंधु जल आयुक्तों के स्तर पर उठाया जा चुका है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।